



केन्द्रीय विद्यालय  
सैक्टर-8

राम कृष्ण फुम  
नई दिल्ली-110022



तत् त्वं पूषन् अपावृणु  
केन्द्रीय विद्यालय संगठन



केन्द्रीय विद्यालय सेक्टर - ८, राम कृष्ण पुरम, नई दिल्ली-२२



विद्यालय ई-पत्रिका

2020-21

मुख्य संरक्षक

श्री सिबि. चक्रवर्ती

भा. प्र. से. (अध्यक्ष वी.एम.सी.)

संरक्षक

श्रीमती ममता शेखर (प्राचार्या)

सह- संरक्षक

श्री चन्द्र भान सिंह

उप-प्राचार्य (द्वितीय पाली)

संपादक

श्रीमती आरती प्रसाद, स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी (प्रथमपाली)

श्री प्रेमेन्द्र कुमार त्रिपाठी, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी (द्वितीय पाली)

श्री एस. के. आर्य, प्र. स्नातक शिक्षक संस्कृत (प्रथमपाली)

श्रीमती दीपा यादव, स्नातकोत्तर शिक्षिका अंग्रेज़ी (प्रथमपाली)

श्रीमती माधुरी शेखावत स्नातकोत्तर शिक्षिका अंग्रेज़ी (द्वितीय पाली)

आवरण पृष्ठ निर्माण: - रचित वर्मा आठवीं स, याशिका दसवीं ब

तकनीकी सहायक: - श्री धनेश कुमार वर्मा, श्रीमती सुशीला



डॉ. (श्रीमती) वि .विजयलक्ष्मी , अपर आयुक्त , (शैक्षिक)

Dr. (Smt) V. Vijaylakshmi, Addl. Commissioner (Acad.)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ,(KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN),

18,संस्थागत क्षेत्र//18, Institutional Area, शहीद जीत सिंह मार्ग/ Shaheed Jeet Singh Marg,, नई दिल्ली-110016

## संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि केंद्रीय विद्यालय सेक्टर 8 रामकृष्ण पुरम,दिल्ली संभाग अपने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों की रचनाशीलता तथा सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए 'ई-पत्रिका' का प्रकाशन करने जा रहा है।

सुप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक चिंतक जेरोम बी. वाइसनर का मत है कि "सृजनशीलता या सृजनात्मकता शब्द का प्रयोग मुख्यतः ऐसी प्रक्रिया को बताने के लिए किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप नवीन योगदानों का श्रीगणेश हो, जो मानव अनुभव के मानसिक स्तर पर मूल्यवान हो तथा जो विज्ञान, साहित्य, संगीत एवं दृष्टि संबंधी कलाओं को भी सम्मिलित करे।" इस प्रकार सृजनात्मकता केवल कविता या कहानी की रचना करने तक सीमित नहीं है बल्कि नवीनतम विधियों, प्रविधियों एवं स्थितियों की सहायता से किसी जटिल समस्या का विद्वतापूर्ण समाधान करने की योग्यता ही सृजनात्मकता है, जो अपने में निहित विभिन्न विशेषताओं जैसे समस्या के प्रति सजगता, गतिशीलता, वैचारिकता, लचीलापन, मौलिकता, जिज्ञासा व नवीनता हेतु परिवर्तन की आकांशा के माध्यम से रचनात्मक उत्पादन करती है।

विगत लगभग पांच-छः दशकों में केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक क्षेत्र में स्थापित किए उत्कृष्ट प्रतिमानों का अवलोकन करने से यह स्पष्ट हो जाता है कि इस संगठन से सम्बद्ध शिक्षकों ने अपने विद्यार्थियों में उपर्युक्त गुणों का विकास करते हुए राष्ट्र निर्माण के पावन कर्तव्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आशा है कि केंद्रीय विद्यालय सेक्टर 8 रामकृष्ण पुरम, दिल्ली संभाग द्वारा 'ई-पत्रिका' के प्रकाशन का यह प्रयास भी शिक्षकों के राष्ट्र-निर्माण के प्रयासों को और अधिक प्रोत्साहित करेगा। मैं पत्रिका के सुरुचिपूर्ण प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभेच्छाएँ प्रस्तुत करती हूँ।

शुभकामनाओं के साथ !

(डॉ.वि. विजयलक्ष्मी), अपर आयुक्त (शैक्षिक)



**नगेन्द्र गोयल**

**उपायुक्त**

**के.वि.सं., दिल्ली संभाग**

**Nagendra Goyal**

**Deputy Commissioner**

## **संदेश**

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी केंद्रीय विद्यालय सेक्टर 8 आरके पुरम “वार्षिक विद्यालय ई-पत्रिका” का प्रकाशन कर रहा है। निःसंदेह, इस विद्यालय का शिक्षा के क्षेत्र के साथ-साथ, सृजन के अन्य क्षेत्रों में भी अनुकरणीय योगदान रहा है। छात्रों की अपनी सृजनात्मक योग्यता को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम यह “ई-पत्रिका” है।

मेरी शुभकामना है कि विद्यालय रूपी पुष्प अपनी अमिट सुरभि से जन-मानस को सदैव प्रफुल्लित एवं सुवासित करता रहे।

मेरे प्यारे बच्चों, आप सदैव गतिमान रहो विश्वासपूर्ण अनुशासित जीवन के साथ अपनी आंतरिक शक्ति को मजबूत करते हुए ऐसी उपलब्धियां प्राप्त करो, कि आप जहां भी जाओ, आपकी उपस्थिति से सभी गौरवान्वित हो जाएं। विद्यार्थियों की अंतर्निहित प्रतिभा का सतत और समग्र मूल्यांकन सकारात्मक दिशा की ओर हो, ताकि वे एक योग्य, कर्मठ और देश के भावी कर्णधार बनते हुए देश का नाम वैश्विक स्तर पर ले जाने में सफल हो सकें।

मैं पत्रिका के सफल एवं सार्थक प्रकाशन के लिए आप सभी को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

**प्रेम सहित।**

**नगेन्द्र गोयल**

**उपायुक्त**



**पूनम मलिक**

**सहायक आयुक्त, दिल्ली संभाग**

**केन्द्रीय विद्यालय संगठन KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN**

**दिल्ली संभाग DELHI REGION**

**जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय परिसर, नया महरौली मार्ग**

**JNU CAMPUS NEW MAHRAULI ROAD**

**नई दिल्ली New Delhi-10067**

## संदेश

मनुष्य विचारशील प्राणी है, वह अपनी भावनाओं, कल्पनाओं अनुभूतियों को मौखिक अथवा कला के विभिन्न रूपों में साकार करता आया है। लेखन, चित्रकला, गायन, वादन नृत्य खेल आदि रूपों में वह अपने अंतर्मन की भावनाओं को प्रकट करता है। विद्यालय विद्यार्थियों की इन मनोवृत्तियों को एक सशक्त मंच उपलब्ध करवाते हैं। कलाकार मन कभी शांत नहीं बैठ सकता, फिर बाधा चाहे कोविड के समान भयंकर ही क्यों न हो। यह ई पत्रिका इसका जीवंत प्रमाण है।

मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय सेक्टर 8 रामकृष्ण पुरम, दिल्ली संभाग द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं की कृतियों को संकलित कर ई पत्रिका के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। गत शैक्षिक वर्ष की कोविड जैसी विपरीत परिस्थितियों में भी हमारे विद्यालयों में पाठ्यगामी के साथ साथ पाठ्य सहगामी गतिविधियों का आभासी माध्यम से सफलतापूर्वक आयोजन किया गया उनकी संक्षिप्त झांकी का दर्शन आपको इस ई पत्रिका में प्राप्त होगा।

मैं विद्यालय के शिक्षार्थियों की सृजनशीलता को साकार करने और सूचना तकनीक के माध्यम से उसे ई पत्रिका का आकार देने वाले सम्पादक मंडल के समस्त सदस्यों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्राचार्य को ई पत्रिका प्रकाशन के सफल प्रयास हेतु शुभकामनाएं देती हूँ।

मुझे विश्वास है कि पत्रिका में संकलित रचनाकारों को इस पत्रिका के माध्यम से व्यापक पाठकवर्ग ही नहीं सृजनशीलता के आकाश में आत्मविश्वास के नवीन पंख भी प्राप्त होंगे।

असीम शुभकामनाओं सहित.....

(पूनम मलिक)

सहायक आयुक्त दिल्ली संभाग



**सिबि. चक्रवर्ती भा. प्र. से**

**Sibi Chakkravarthy (IAS)**

**PS to Min of State for fin & shipping,  
Govt. of India, North Block, New Delhi**

### **MESSAGE**

**My heartiest Congratulations to Kendriya Vidyalaya Sector 8 R.K. Puram, New Delhi for releasing the KV magazine. I have learnt that the magazine is being published since 1970's and I am happy that such a long tradition is still being followed.**

**In this present pandemic time, I hope this magazine serves the readers a ray of hope and a positive attitude in their lives. I congratulate the students, staff and management for taking steps to compile and publish the magazine. I earnestly urge students to contribute their thoughts in the form of prose pieces and poems to the magazine, because writing your thoughts and being read by others will make your wits sharper and clearer. Further, only by expressing your thoughts, can you be understood by others and writing it down is the best medium. Moreover, these contributions will be a sweet memory when you look back at your school days.**

**Wishing you all a great success in your future endeavours.**

**Best Wishes**

**Mr. Sibi Chakkravarthy (IAS)  
PS to Min of State for fin & shipping,  
Govt. of India, North Block, New Delhi**

**“It always seems impossible, till it gets done”. Nelson Mandela**



## प्राचार्य की कलम से.....

किसी शिक्षण संस्थान में घटित होने वाली शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का दर्शन करना हो तो उस संस्थान द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका रूपी संक्षिप्त झांकी ही पर्याप्त होती है चूंकि विद्यालय पत्रिका ,विद्यालय की गतिविधियों व उपलब्धियों के साथ शिक्षार्थियों के हृदय के उदगारों एवं शिक्षकों व समस्त हितधारकों द्वारा किये जाने वाले योगदान की जीवंत प्रस्तुति होती है ।विद्यालय पत्रिका के साथ जुड़ना एवं उसमें रचना प्रकाशित होना,सचमुच एक अदभुत अनुभव होता है ।

मुझे यह प्रेषित करते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय सेक्टर 8 रामकृष्ण पुरम द्वारा विद्यालय की द्वितीय ई - पत्रिका शैक्षिक-सत्र-2020- 21 का प्रकाशन किया जा रहा है ।यह पत्रिका नवोदित रचनाकारों के, सृजनात्मक अभिव्यक्ति रूपी आरंभिक प्रयास हैं जिसे तराशने का कार्य सम्पादक मंडल द्वारा किया गया है ।आशा है कि पाठकों के हाथ में एक रचनात्मक एवं त्रुटिहीन पत्रिका होगी ।फिर भी यदि कोई त्रुटि दृष्टिगत हो तो हम क्षमाप्रार्थी हैं ।

मैं ,सम्माननीय आयुक्त महोदया ,केन्द्रीय विद्यालय संगठन ,श्रीमती निधि पाण्डेय जी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करती हूँ जिनके कुशल मार्गदर्शन में हम नित नवाचारों से परिचित हो रहे हैं ।ई पत्रिका प्रकाशन भी उन्हीं नवाचारों की एक कड़ी है ।मैं आभारी हूँ सम्माननीया अपर आयुक्त महोदया,केन्द्रीय विद्यालय संगठन , श्रीमती वि. विजयलक्ष्मी जी की जिनकी प्रेरणा से यह पत्रिका अस्तित्व में आई ।

मैं आभारी हूँ दिल्ली संभाग के उपायुक्त आदरणीय श्री नगेन्द्र गोयल जी की जिनके सतत मार्गदर्शन में विद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है ।साथ ही मैं आभार प्रकट करती हूँ माननीय सहायक आयुक्त श्रीमती पूनम मलिक जी एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आदरणीय श्री सिबि चक्रवर्ती जी का , जिनकी प्रेरणा एवं शुभकामनाओं से यह पत्रिका अस्तित्व में आई ।अंततः मैं धन्यवाद करती हूँ संपादक मंडल के सदस्यों ,शिक्षार्थियों एवं समस्त हितधारकों का जिनके सहयोग एवं अथक प्रयास से अमूर्त विचार एवं भावनाएं पत्रिका के रूप में मूर्तिमान हो गए ।

सतत उन्नति की असीम कामनाओं सहित 1.....

ममता शेखर (प्राचार्य)





## संपादक की कलम से .....

शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है और शिक्षण - संस्थाएं उस साध्य को प्राप्त करने के साधन हैं। शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों के कोमल कच्ची मिट्टी के समान मस्तिष्क को, स्लेट पर वर्णमाला ज्ञान से आरम्भ करके किसी भी ज्ञानकोश को पढ़ने व समझने योग्य बना देते हैं। केवल सैद्धांतिक ही नहीं, व्यावहारिक व सामाजिक जीवन से उनका परिचय भी कराते हैं। विद्यालयों में आयोजित की जाने वाली पाठ्यगामी, पाठ्य सहगामी, खेलकूद एवं योग आदि गतिविधियाँ शिक्षार्थियों में सहनशीलता, सहभागिता एवं नेतृत्व भावना के विकास में सहायक सिद्ध होती हैं। विद्यालय द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका भी छात्र छात्राओं को अपनी मनोवृत्तियों की अभिव्यक्ति का सशक्त मंच उपलब्ध कराती है जिससे उनमें निहित कलात्मक, सृजनात्मक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता को कविता, कहानी, यात्रा वृत्तांत, आलेख अथवा चित्रों आदि के रूप में साकार होने का सुअवसर प्राप्त होता है।

यह सत्य है कि कल्पना की उड़ान की कोई सीमा नहीं होती परन्तु इस उड़ान को यदि उपयुक्त मार्ग मिल जाये तो किशोर मन को पथभ्रमित होने से बचाया जा सकता है। विद्यालय पत्रिका न केवल बाल एवं किशोर मन की भावनाओं को प्रकाशित कर मन को शांत करती है अपितु उनमें छिपी सृजनात्मक क्षमता से परिचित कराकर, विशाल पाठकवर्ग से संपृक्त कर उनमें आत्मविश्वास जागृत करती है। किशोर मन की उन्मुक्त भावनाओं की अभिव्यक्ति की उड़ान के लिए सारा आकाश है इस ई-पत्रिका में। इस ई-पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं से गुजरते हुए आपको यह आभास अवश्य होगा कि बाल मन की भावनाओं को किसी परिधि में बांधकर नहीं रखा जा सकता। मुझे विश्वास है कि ई-पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं के अनुशीलन पर आप उनकी कल्पना की उड़ान की अनुभूति की गहराई तथा उनकी सर्जनात्मक चेतना को सराहे बिना नहीं रह सकेंगे। किसी भी ई-पत्रिका में प्रकाशित रचनाएँ सूचनात्मक, भावात्मक एवं सर्जनात्मक कोटि की रचनाएं होती हैं। इस दृष्टिकोण से भी यह ई-पत्रिका अपनी सार्थकता सिद्ध करती है। ये रचनाएँ न केवल सूचनात्मक अपितु सभी के लिए ज्ञानवर्धक भी हैं।

ई - पत्रिका का द्वितीय अंक आप सुधी पाठकों को सौंपते हुए अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। यद्यपि इस दौर में ई माध्यम से प्रविष्टियों का संकलन, सम्पादन एवं इसे साकार रूप प्रदान करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य था किन्तु मैं सम्पादक मंडल के सभी साथियों के प्रति कृतज्ञ हूँ जिनके सहयोग से यह कार्य सुगम बन गया। मैं माननीया प्राचार्या महोदया, श्रीमती ममता शेखर जी का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ जिनके कुशल मार्गदर्शन में यह ई-पत्रिका अस्तित्व में आई। अंततः मैं कृतज्ञता प्रकट करती हूँ परमपिता परमेश्वर के प्रति जिनके आशीर्वाद से इस ई-पत्रिका निर्माण कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

शुभेच्छाओं की आकांक्षा के साथ .....

आरती प्रसाद

(स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी)

# STREAM WISE TOPPERS DETAILS 2021 (SHIFT-I)

## SCIENCE (विज्ञान)

S NO	NAME OF CANDIDATE	MARKS OBTAINED	PERCENTAGE
1	SHUBHAM HAZRA [14624128]	493	98.6
2	DRISHTI [14624431]	488	97.6
2	MONALISHA SAHU [14624161]	488	97.6
2	TEJAS SINGH ARORA [14624130]	488	97.6
3	DEV PRATAP SINGH [14624073]	483	96.6
4	ABANTIKA MAHAKUD [14624137]	482	96.4
4	SHARON VARGHESE [14624174]	482	96.4
5	HARIGOVIND T P [14624110]	480	96

## COMMERCE (वाणिज्य)

S NO	NAME OF CANDIDATE	MARKS OBTAINED	PERCENTAGE
1	SHUBHAM [14624218]	476	95.2
2	ANUBHUTI SRIVASTAVA [14624196]	472	94.4

## HUMANITIES (मानविकी)

S NO	NAME OF CANDIDATE	MARKS OBTAINED	PERCENTAGE
1	YASH [14624278]	480	96
2	ADITI AASTHA [14624228]	475	95
3	AISWARYA P [14624438]	469	93.8
4	V AMRUTA VARSHINI [14624250]	466	93.2
5	KINSHUK SHARMA [14624265]	462	92.4

TOTAL STUDENTS APPEARED	TOTAL STUDENTS PASSED	PASS PERCENTAGE	Above 70%
248	248	100	207

## STREAM WISE TOPPERS DETAILS 2021(SHIFT II)

### SCIENCE (विज्ञान)

S NO	NAME OF CANDIDATE	MARKS OBTAINED	PERCENTAGE
1	KUMARI SANGAM [14624334]	489	97.80
2	SEEMAKURTHY VASANT [14624312]	479	95.80
3	DIYANSHU KASHYAP [14624289]	478	95.60
4	NITYA SANTOSH[14624340]	476	95.20
5	NIKHILA K S [14624302]	474	94.80
6	SATYAM MISHRA [14624316]	468	93.60
7	CHIRAG GARIYA [14624285]	467	93.40
7	KARISHNA SOLANKI [14624350]	467	93.40

### COMMERCE (वाणिज्य)

S NO	NAME OF CANDIDATE	MARKS OBTAINED	PERCENTAGE
1	NAMAN BHANDARI [14624354]	478	95.60
2	RAGHAV MISHRA [14624356]	476	95.20
3	AJAY UPENDRA [14624353]	468	93.60

### HUMANITIES (मानविकी)

S NO	NAME OF CANDIDATE	MARKS OBTAINED	PERCENTAGE
1	DINPUI GANGMEI [14624392]	474	94.80
2	RITIKA [14624409]	473	94.60
3	HITESH KHANTWAL [14624396]	471	94.20
4	NEHA KUMARI [14624406]	457	91.40

## LIST OF TOPPERS CLASS X 2021 (SHIFT I)

Position	Name of the KV	Name of the student	Marks Obtained	Marks in %
1	R K PURAM SEC.8 (S1)	APARNA DWIVEDI [14130711]	491	98.2
2	R K PURAM SEC.8 (S1)	ANGEL SONI [14130673]	490	98
2	R K PURAM SEC.8 (S1)	NAMANA VISHAL RAO [14130662]	490	98
3	R K PURAM SEC.8 (S1)	HIMANSHU [14130658]	489	97.8
4	R K PURAM SEC.8 (S1)	DEEPALI JANI [14130674]	487	97.4
4	R K PURAM SEC.8 (S1)	FIZA KHAN [14130643]	487	97.4
5	R K PURAM SEC.8 (S1)	DEBADRITA MONDAL [14130642]	485	97
6	R K PURAM SEC.8 (S1)	AISHWARYA SRIVASTAVA [14130999]	474	94.8
6	R K PURAM SEC.8 (S1)	ANGINA RATNA ABHINAV [14130655]	474	94.8
6	R K PURAM SEC.8 (S1)	AYUSH GUPTA [14130691]	474	94.8
6	R K PURAM SEC.8 (S1)	DIVYA PANDEY [14130716]	474	94.8
6	R K PURAM SEC.8 (S1)	G RAGHAVENDER [14130657]	474	94.8
6	R K PURAM SEC.8 (S1)	KARUNYA [14130676]	474	94.8
6	R K PURAM SEC.8 (S1)	PRIYAMBRATA BISWAS [14130664]	474	94.8
6	R K PURAM SEC.8 (S1)	SAKSHI [14130683]	474	94.8
6	R K PURAM SEC.8 (S1)	SHWATI KALPANA KHILAR [14130650]	474	94.8
6	R K PURAM SEC.8 (S1)	VARTIKA CHAHAR [14130864]	474	94.8
6	R K PURAM SEC.8 (S1)	VIJAYLAXMI ROUT [14130731]	474	94.8
7	R K PURAM SEC.8	DEBARANJAN LENKA	473	94.6

	(S1)	[14130692]		
7	R K PURAM SEC.8 (S1)	EKTA PRASAD [14130896]	473	94.6
7	R K PURAM SEC.8 (S1)	KARNIK SINGH [14130659]	473	94.6
7	R K PURAM SEC.8 (S1)	SREEJA BISWAS [14130651]	473	94.6
8	R K PURAM SEC.8 (S1)	DISHANT SAINI [14130694]	470	94
8	R K PURAM SEC.8 (S1)	NAMAN SUSHIL [14130707]	470	94
8	R K PURAM SEC.8 (S1)	VAIBHAV PATHAK [14130819]	470	94
9	R K PURAM SEC.8 (S1)	SNEHA JHA [14130818]	469	93.8
10	R K PURAM SEC.8 (S1)	HARSH [14130841]	468	93.6
10	R K PURAM SEC.8 (S1)	TARUN YADAV [14130706]	468	93.6
	<b>TOTAL STUDENTS APPEARED</b>	<b>TOTAL STUDENTS PASSED</b>	<b>PASS PERCENTAGE</b>	<b>Above 70%</b>
	197	197	100	143

## LIST OF TOPPERS CLASS X 2021 (SHIFT II)

Position	Name of the KV	Name of the student	Marks Obtained	Marks in %
1	R K PURAM SEC.8 (S2)	AADYA SINGH [14130922]	495	99
2	R K PURAM SEC.8 (S2)	ABHISHEK KUMAR MISHRA [14130816]	474	94.8
2	R K PURAM SEC.8 (S2)	B AJAY GANESH [14130765]	474	94.8
3	R K PURAM SEC.8 (S2)	SAKSHI [14130782]	469	93.8
4	R K PURAM SEC.8 (S2)	KRISHNA KUMAR MAHTO [14130779]	467	93.4
5	R K PURAM SEC.8 (S2)	LAKSHITA RANA [14130789]	466	93.2
6	R K PURAM SEC.8 (S2)	DIPTILEENA SAHU [14130755]	464	92.8
6	R K PURAM SEC.8 (S2)	MUSKAAN HANDA [14130757]	464	92.8
6	R K PURAM SEC.8 (S2)	TAMANNA KUMARI [14130778]	464	92.8
7	R K PURAM SEC.8 (S2)	ISHITA BARIK [14130732]	461	92.2
8	R K PURAM SEC.8 (S2)	ADITYA KUMAR [14130793]	459	91.8
9	R K PURAM SEC.8 (S2)	SHANA AKHTAR [14130932]	458	91.6
10	R K PURAM SEC.8 (S2)	ALISHA [14130925]	454	90.8
	TOTAL STUDENTS APPEARED	TOTAL STUDENTS PASSED	PASS PERCENTAGE	
	166	166	100	

# OUR ACHIEVERS

## Shift -I

### Science Stream



*Shubham Hazra*



*Drishti*



*Monalisha*



*Tejas Singh*



*Dev Pratap Singh*

### Commerce Stream



*Shubham*

***Our Achievers  
2020-2021  
Shift -I***



*Anubhuti Srivastava*

### Humanities Stream



*Yash*



*Aditi Aastha*



*Aishwarya P*

# Shift II

## ***Science Stream***



**Kumari Sangam**



**S. Vasanth**



**Divyanshu Kashyap**

## ***Commerce Stream***



**Naman Bhandari**



**Raghav Mishra**



**Ajay Upendra**

## ***Humanities Stream***



**Dinpui Gangmei**



**Ritika**



**Hitesh Khantwal**



विद्यालयी

गतिविधियों की

झलक

# प्राथमिक विभाग गतिविधियाँ

## फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता



## क्राफ्ट प्रदर्शन



## राखी ड्राइंग (कक्षा १-२) राखी बनाना कक्षा (३-५)



## एकल लोक नृत्य



## घरेलू कार्ड बनाने प्रतियोगिता



## अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस २१ जून २०२०



## दशहरा ड्राइंग पोस्टर बनाने प्रतियोगिता (शैलक एवं मुक्ता)



## घर पर योग, परिवार के साथ योग



## पर्यावरण बचाओ और कार्याज के पैकेट का निर्माण करो



## अंग्रेजी कविता वाचन प्रतियोगिता

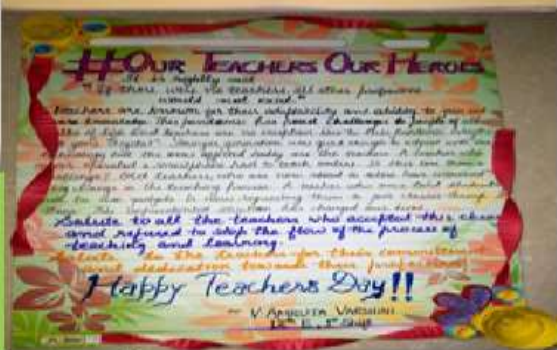
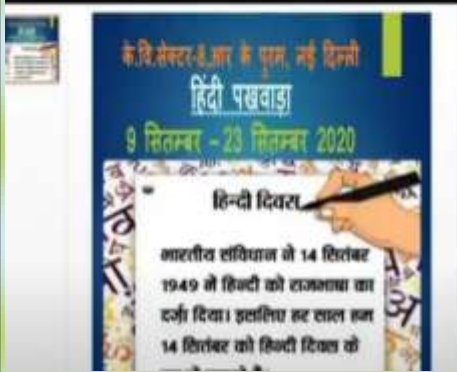
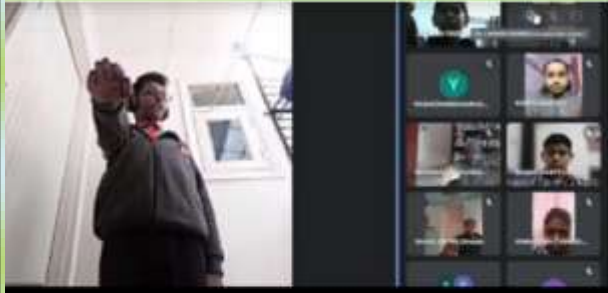


## दीया सजाओ प्रतियोगिता रंगोली बनाओ प्रतियोगिता

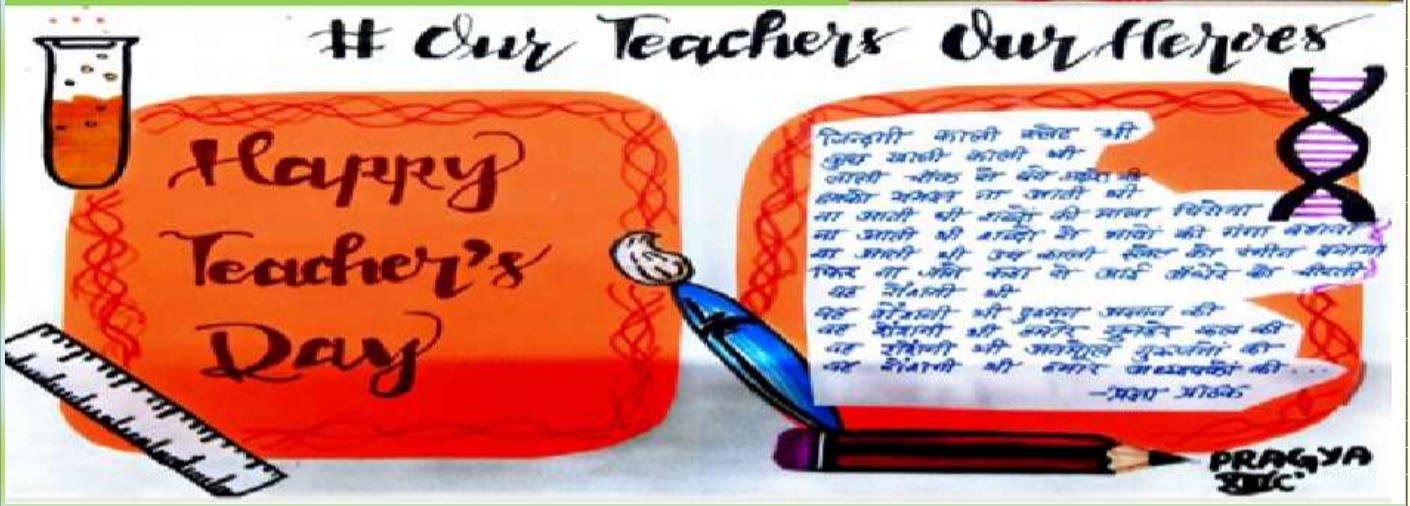




# आभासी माध्यम से प्रार्थना सभा



# शिक्षक दिवस



# 18 जनवरी 2021 को संसदीय उपसमिति द्वारा विद्यालय का राजभाषा हिंदी निरीक्षण





**गणतंत्र दिवस**

# हिन्दी पखवाड़ा

## चित्रकला प्रतियोगिता



# हिन्दी दिवस

सरल है,  
सुबोध है,  
सुन्दर  
अभिव्यक्ति  
है,  
हिन्दी ही सभ्यता,  
हिन्दी ही हमारी संस्कृति  
है।



नाम: सुरक्षा रजाना  
कक्षा: आठवीं 'ड'

# हिन्दी दिवस

सोधी सुगंध, मीठी सी भाषा  
गर्व से कहो हिंदी हैं मेरी भाषा









How are you ?

Tapaain laaie  
kasto chha



सिक्किम क्विज

भाषा संगम



5) identify this famous  
personality of sikkim:

- a) Nirmal Chhetri
- b) Bhaichung Bhutia
- c) Karma Paljor
- d) Bhim bahadur

D

DEEPIKA GUPTA

9) IDENTIFY THIS DANCE OF SIKKIM :



- a) Yak chham
- b) Tamang selo
- c) Naumati
- d) Zo - mal -  
lok

a

anishkumar\_jha

फिट इंडिया (घर पर रहो फिट रहो)



योग भगाए रोग

# चित्रकला

HUM FIT TOH INDIA FIT

made by Anamika Nandi  
Roll no. 1  
Class 8B





चित्रकला

प्रतियोगिता



# निबन्ध लेखन

Power of Fitness

The power of fitness is a concept that has been discussed in many ways. It is a state of being fit, healthy, and strong. It is a state of mind and body that allows a person to perform their daily activities with ease and grace. It is a state of being that allows a person to live a long and healthy life.

There are many ways to achieve fitness. Some people prefer to exercise regularly, while others prefer to eat a healthy diet. Some people prefer to combine both, while others prefer to focus on one or the other. It is important to find a way that works for you and that you can stick to.

There are many benefits to being fit. It can help you lose weight, improve your mood, and increase your energy. It can also help you live longer and healthier. Fitness is a state of being that allows you to live your life to the fullest.

There are many ways to achieve fitness. Some people prefer to exercise regularly, while others prefer to eat a healthy diet. Some people prefer to combine both, while others prefer to focus on one or the other. It is important to find a way that works for you and that you can stick to.

Power of Fitness

The power of fitness is a concept that has been discussed in many ways. It is a state of being fit, healthy, and strong. It is a state of mind and body that allows a person to perform their daily activities with ease and grace. It is a state of being that allows a person to live a long and healthy life.

There are many ways to achieve fitness. Some people prefer to exercise regularly, while others prefer to eat a healthy diet. Some people prefer to combine both, while others prefer to focus on one or the other. It is important to find a way that works for you and that you can stick to.

There are many benefits to being fit. It can help you lose weight, improve your mood, and increase your energy. It can also help you live longer and healthier. Fitness is a state of being that allows you to live your life to the fullest.

There are many ways to achieve fitness. Some people prefer to exercise regularly, while others prefer to eat a healthy diet. Some people prefer to combine both, while others prefer to focus on one or the other. It is important to find a way that works for you and that you can stick to.

Power of fitness - SUNISH GUPTA

"Fitness is health" is well known and often repeated saying. This saying is not just a fact of life, but a health advice. Physical fitness should become a habit.

Remember, the young people do not pay attention to their health. They live a life of indulgence. They eat what they like, they drink what they like, and they do not exercise. This is the reason why they get sick so often.

Let us try to pay attention to our health. Let us try to eat healthy food, let us try to exercise regularly, and let us try to live a healthy life. Let us try to become fit and healthy.

Physical fitness is the human body's ability to perform its functions to the best of its ability. It is a state of being that allows a person to live a long and healthy life.

Power of Fitness  
To achieve healthy living

Dear Youth,

I am Anshika Mishra of class 12th studying in P.V. R. Academy. You are taking most of your time in playing games and watching TV. You are not taking care of your health. You are not eating healthy food. You are not exercising. You are not sleeping properly. You are not taking care of your body.

Your fitness is not just a word, it is a state of being. It is a state of mind and body that allows you to perform your daily activities with ease and grace. It is a state of being that allows you to live a long and healthy life.

Our fitness is more important than our health. It is a state of being that allows you to live your life to the fullest. It is a state of being that allows you to become a better person.

We must take care of our health and fitness. We must eat healthy food, we must exercise regularly, and we must sleep properly. We must take care of our body and our mind. We must become fit and healthy.

Apart from eating, we must maintain cleanliness in our room, bath, and nearby surroundings.

- Anshika Mishra

# इंटीग्रिटी क्लब



# स्वच्छता पखवाड़ा



## स्वच्छता पखवाड़ा (आस-पास की सफाई)



## कोरोना काल में समाज सेवा मास्क एवं सेनिटाइजर वितरण



HAPPY INTERNATIONAL PEACE DAY

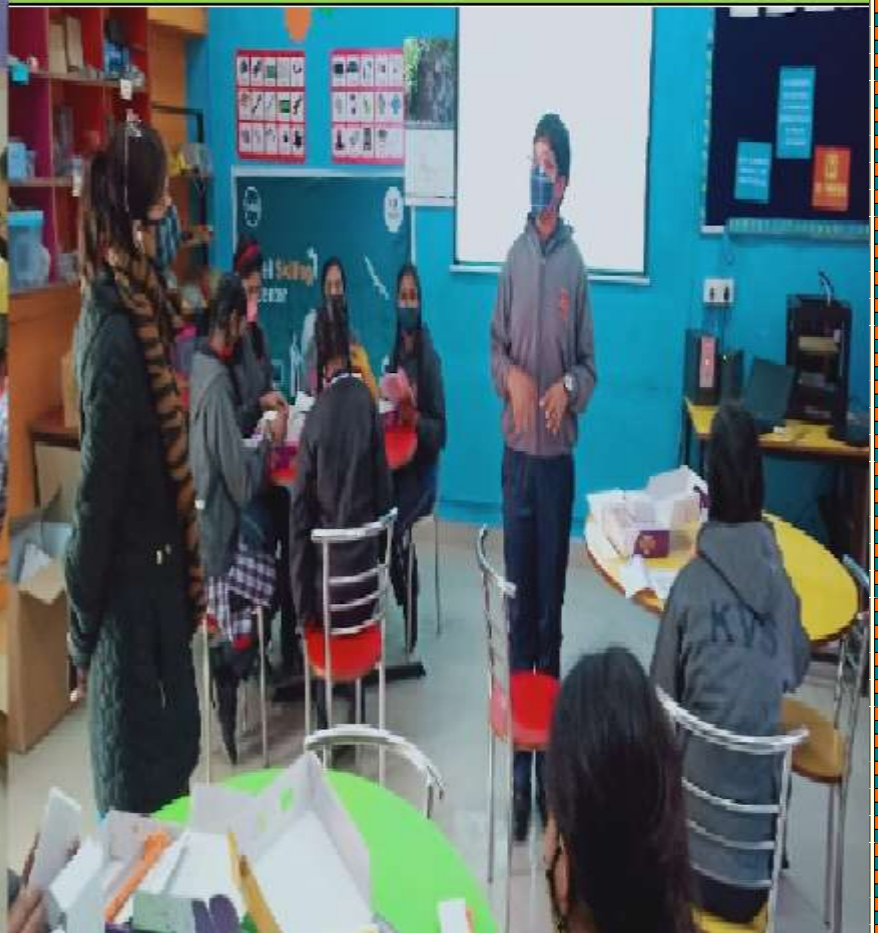
## अंतर्राष्ट्रीय शान्ति दिवस पर पशु-पक्षी सेवा



Love in the height overlooking the city landscape



## अटल टिकरिंग लैब





# स्वतंत्रता दिवस समारोह





## राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से राज भाषा विभाग, गृह मंत्रालय के आदेशानुसार विद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या श्रीमती ममता शेखर हैं। यह समिति प्रति तिमाही में बैठक आयोजित करती है तथा विद्यालय में राजभाषा हिंदी के उत्तरोत्तर विकास, उसके प्रयोग संबंधी, के. वि.संगठन. तथा राजभाषा विभाग से प्राप्त प्रपत्रों में दिए दिशा-निर्देशों पर चर्चा कर उन के अनुपालन के निर्देश जारी करती है। प्रति तिमाही के उपरांत अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर एवं जनवरी माह में नियमित रूप से कार्यालयी पत्राचार में हिंदी भाषा की स्थिति सम्बन्धी रिपोर्ट क्षेत्रीय कार्यालय को प्रेषित की जाती है। शैक्षिक सत्र 2020 - 21 के अंतर्गत इस समिति द्वारा नियमित रूप से आभासी माध्यम से बैठकें की गयीं व स्नातकोत्तर हिंदी शिक्षिका श्रीमती आरती प्रसाद द्वारा हिंदी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग सिखाने हेतु 'पत्र लेखन कार्यशाला' का आयोजन भी किया गया। कार्यालय प्रधान श्रीमती ममता शेखर जी द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के द्वारा आयोजित छमाही बैठकों में नियमित रूप से (नराकास) सहभागिता की जाती है। सितम्बर माह में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत सुलेख, प्रश्नोत्तरी, काव्यपाठ, गीतगायन आदि प्रतियोगिताओं में विद्यालय के लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया व विजेताओं को पुरस्कृत किया गया ।

18 जनवरी 2021 को संसदीय राजभाषा उपसमिति द्वारा विद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया जिसमें कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की संतोषजनक स्थिति की प्रशंसा की गयी । गर्व का विषय है कि विद्यालय को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है । केन्द्रीय विद्यालय सेक्टर 8 का सम्पूर्ण परिवार हिन्दी राजभाषा के प्रचार प्रसार हेतु प्रतिबद्ध है ।

आरती प्रसाद

स्नातकोत्तर शिक्षिका (हिंदी)

## पाठ्य सहगामी गतिविधियां - प्रतिवेदन

इस वर्ष भी केन्द्रीय विद्यालय सेक्टर 8 में प्रतिवर्ष की भांति पाठ्य सहगामी गतिविधियों का सी सी ए समय सारिणी अनुसार नियमित रूप से आयोजन किया गया। इस वर्ष गतिविधियाँ प्रत्यक्ष नहीं अपितु परोक्ष रूप से आभासी माध्यम से आयोजित हुईं। इस कोरोना महामारी के काल में केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा बच्चों के साथ संपर्क बनाने हेतु गूगल मीट एवं गूगल क्लासरूम का चयन किया गया जिसके माध्यम से न केवल पाठ्यक्रम अपितु पाठ्य सहगामी क्रियाओं का भी केन्द्रीय विद्यालय सेक्टर 8 आर के पुरम द्वारा सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सत्र में विभिन्न गतिविधियों जैसे- हिंदी सुलेख, अंग्रेज़ी सुलेख, राखी बनाना, पतंग बनाना, चित्र निर्माण, पोस्टर मेकिंग, कविता वाचन, वाद विवाद, पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता (हिंदी दिवस), योग दिवस तथा फिट इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत क्विज, पोस्टर मेकिंग, शिक्षक दिवस कार्ड मेकिंग, सीबीएसई एक्सप्रेसन सीरीज के अंतर्गत अनुच्छेद, लेखन, निबंध लेखन, चित्र निर्माण, ईट राईट क्रिएटिविटी चैलेंज (एफ़ एस एस ए आई) के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, फोटोग्राफी चैलेंज, ई बी एस बी के अंतर्गत युगल राज्य सिक्किम पर आधारित क्विज, गीत गायन, सिक्किम से सम्बंधित समाचार, शपथ आदि का प्रार्थना सभा में प्रदर्शन सरीखी गतिविधियों का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इसके साथ ही विभिन्न दिवसों जैसे स्वतंत्रता दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयंती, के वि. सं. स्थापना दिवस, फिट इंडिया वीक, राष्ट्रीय खेल दिवस व योग दिवस भी पूर्ण उल्लास के साथ मनाये गए। पाठ्यक्रम सहगामी गतिविधियों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए हमें सभी शिक्षकों, शिक्षार्थियों एवं अभिभावकों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। प्राचार्या महोदया जी एवं उप प्राचार्या जी के दिशानिर्देशों में पाठ्य - सहगामी गतिविधियों के सभी कार्य सफलता पूर्वक संपन्न हुए।

आरती

सी सी ए प्रभारी

## प्राथमिक विभाग (प्रथम पाली)

### आनंदवार

केंद्रीय विद्यालय सेक्टर ८ आर के पुरम प्रथम पाली में इस महामारी के समय में भी बच्चों के मनोरंजन एवं सर्वांगीण विकास हेतु केन्द्रीय विद्यालय संगठन के निर्देशानुसार आनंदवार की समयसारणी बनाई गई तथा प्रत्येक शनिवार को आनंदवार मनाया गया। समयसारणी के अनुसार सभी शिक्षकों द्वारा बच्चों के साथ संपर्क बनाकर आनंदवार मनाया गया। कोरोना वायरस के खतरे के मद्देनजर बच्चे लंबे समय से घरों में कैद हैं उन्हें दोस्तों से अलग थलग अपने घरों तक सीमित रहना पड़ रहा है इसका उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। परंतु आनंदवार के समय सारणी में होने से सभी बच्चों का अच्छा मनोरंजन हुआ। सभी प्रकार की गतिविधियों में बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और बहुत आनंदित भी हुए।

आनंदवार में करवाए जाने वाली विविध क्रियाकलापों का ब्यौरा इस प्रकार से है चित्रकारी -, कथा वाचन, बिना आग पाक कला, गांधी जयंती उत्सव, नैतिक कहानियाँ, बाल दिवस उत्सव, विश्व पर्यावरण दिवस उत्सव, फ्रेंन्सी ड्रेस, योगा और ध्यान, बेकार चीजों से उत्तम चीज़ बनना, सब्जियों से चित्रकारी, ऑनलाइन खेल, पहली बूझो, वर्ड वाल खेल इत्यादि।

मीट . घर पर रहते हुए भी बच्चों ने क्रियाकलापों को करने में काफी उत्साह दिखाया एवं जी के माध्यम से अन्य बच्चों के साथ भी संपर्क बनाया। बच्चों के साथ साथ अभिभावकों ने भी - अच्छी प्रतिक्रिया दिखाई तथा बच्चों एवं शिक्षकों को पूर्ण सहयोग दिया। खेल खेल में बच्चों ने - कई नई चीज़ें सीखीं। इस प्रकार आनंदवार के माध्यम से बच्चों में नैतिक गुणों का विकास किया गया उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक किया, ा गया तथा महत्वपूर्ण दिवस मनाकर उन्हें आवश्यक सम्बन्धित जानकारियाँ दी गईं। इस प्रकार आनंदवार सफलता पूर्वक मनाया गया।

सुनीता शर्मा  
सी. सी. ए. प्रभारी  
प्राथमिक विभाग

## एक भारत श्रेष्ठ भारत

भारत एक अनोखा राष्ट्र है, जिसका निर्माण विविध भाषा, संस्कृति, धर्म के तानो बानो, अहिंसा और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित स्वतंत्रता संग्राम तथा सांस्कृतिक विकास के समृद्ध इतिहास द्वारा एकता के सूत्र में बाँध कर हुआ है। एक साझा इतिहास के बीच आपसी समझ की भावना ने विविधता में एक विशेष एकता को सक्षम किया है, जो राष्ट्रवाद की एक लौ के रूप में सामने आती है जिसे भविष्य में पोषित और अभिलक्षित करने की आवश्यकता है।

31 अक्टूबर, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाने की कल्पना की गई थी जिसके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के संप्रदायों के बीच एक निरंतर सांस्कृतिक संबंध बनाये जा सकें। माननीय प्रधानमंत्री ने यह प्रतिपादित किया कि सांस्कृतिक विविधता एक खुशी है जिसे विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच पारस्परिक संपर्क और पारस्परिकता के माध्यम से मनाया जाना चाहिए ताकि देश भर में समझ की एक सामान्य भावना प्रतिध्वनित हो। देश के प्रत्येक राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश का एक वर्ष के लिए किसी अन्य राज्य केन्द्र शासित प्रदेश के साथ जोड़ा बनाया/जाएगा, इस दौरान वे भाषा, साहित्य, भोजन, त्योहारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पर्यटन आदि क्षेत्रों में एक दूसरे के साथ जुड़ेगे। भागीदार राज्य केन्द्र शासित प्रदेश आपस में एक दूसरे को सांस्कृतिक / रूप से अंगीकृत करेंगे।

भारत में सभी राज्यों केन्द्र शासित प्रदेशों को एक पूरे वर्ष के लिए जोड़े में निर्धारित किया गया है / । प्रत्येक जोड़े के लिए एक गतिविधिकैलेंडर निर्धारित है, और इसी कैलेंडर के अनुसार के .वि. पुरम में वर्ष भर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गए जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़.के.आर ८सेक्टर | चढ़ कर भाग लिया

वर्ष भर किये गए कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:-

### 1. युग्मित राज्य के समाचार : -

प्रातः कालीन प्रार्थना:सभा में कार्यक्रम के तहत सिक्किम राज्य के समाचार को 'आज के समाचार' प्रति सोमवार को प्रस्तुत किया जाता है ।

## २.भाषा संगम . : -

प्रति बुधवार को प्रातः प्रार्थना सभा में सिक्किम राज्य की एक भाषा से कोई एक शब्द फ़्लैश कार्ड : पर लिख कर अर्थ के साथ छात्रों के साथ साझा किया जाता है वाक्य , छात्रों को उस शब्द का अर्थ | के साथ समझाया जाता है ताकि छात्र सिक्किम की भाषा और वहां की वर्णमाला से अवगत हो सकें |

## ३. क्विज प्रतियोगिता : -

छात्रों को युग्मित राज्य सिक्किम की भाषा , वस्त्र , पान-खान , त्यौहार , भूगोल , संस्कृति , व्यापार इत्यादि से अवगत करने के लिए हर सप्ताह शुक्रवार को प्रत्येक कक्षा में निरंतर प्रश्नोत्तरी एवं भाषा के , सामाजिक विज्ञान | प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है - शिक्षकों ने निरंतर प्रश्नावली तैयार कर के छात्रों के साथ साझा किया और गूगल फॉर्मस के माध्यम से यह क्विज प्रतियोगिता करवाए जाती रही है |

४. शपथ ग्रहण कार्यक्रम अलग विषयों के आधार - एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत अलग - : पर प्रति शनिवार एक विषय पर सभी छात्र और शिक्षक शपथ ग्रहण करते हैं ग्रहण - शपथ | /स्वच्छता - के लिए निम्नलिखित विषय गतिविधि क में सुझाये गए हैं प्लास्टिक का एकल उपयोग | जल संरक्षण/
५. सामुदायिक गीत - इस गतिविधि के अंतर्गत महीने में एक बार विद्यालय के बच्चों द्वारा सामुदायिक गीत का गायन किया जाता है। बच्चे इसमें बढ़ चढ़ कर सहभागिता करते हैं।
६. इस कार्यक्रम के अंतर्गत सिक्किम राज्य की संस्कृति को उजागर करते पोस्टर कविता, चार्ट, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं भी आयोजित करवाईं गए हैं ,

एस. के. सिंह

स्नातकोत्तर शिक्षक (अर्थशास्त्र)

प्रभारी ई.बी.एस.बी.

# आभासी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

केंद्रीय विद्यालय आर. के. पुरम सेक्टर 8, नई दिल्ली द्वारा “छठा आभासी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 2020” ऑनलाइन आयोजित किया गया | इस कार्यक्रम की थीम कोविड - 19जैसी महामारी के कारण स्वास्थ्य के लिए योग”, घर पर योग रखी गई “।

श्री भारत भूषण लखीना, योग शिक्षक के कुशल मार्गदर्शन में विद्यालय के छात्रों, शिक्षको, अभिभावकों ने आयुष मंत्रालय द्वारा जारी योग प्रोटोकॉल के अनुसार सूक्ष्म व्यायाम, विविध प्रकार के आसन, प्राणायाम, ध्यान आदि का अपने अपने घर पर ही कोरोना से बचाव के- उपायों के साथ योग का अभ्यास किया।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती ममता शेखर ने इस अवसर पर सबको शुभकामनाएं एवं धन्यवाद दिया ।



भारत भूषण

योग शिक्षक



## आभासी प्रार्थना सभा

इस वर्ष विद्यालय द्वारा गूगल मीट के माध्यम से प्रतिदिन प्रातःकालीन प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जो किसी नवाचार से कम नहीं है , जिसमें कक्षावार थीम आधारित प्रार्थना सभा प्रदर्शित की गयीं तथा विद्यार्थियों की गायन, वादन, नृत्य , संक्षिप्त नाटक रचना एवं योग सम्बंधित प्रतिभा ही नहीं बल्कि उनके द्वारा पीपीटी के माध्यम से बेहतरीन प्रस्तुतीकरण करने की अन्तर्निहित कला के प्रत्यक्ष दर्शन सुलभ हो पाए ।

कक्षा पांचवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों व कक्षा प्रभारियों का विशेष प्रयास उनकी प्रस्तुतियों में विशेषतः दृष्टव्य रहा । हिंदी दिवस, गांधी जयंती, गुरु नानक जयंती, एड्स डे, ऑटम सीजन, जल संरक्षण, समन्वित शिक्षा, के. वि. एस. फाउंडेशन डे आदि थीम पर आधारित प्रातःकालीन प्रार्थना सभा की मनोहरता वर्णनातीत है । विद्यालय की प्राचार्या द्वारा निःसंदेह एक नवाचार का शुभारम्भ किया गया जो अत्यंत प्रशंसनीय कदम है । जिनमें सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । यह क्रम सम्प्रति भी जारी है ।

आरती प्रसाद

प्रार्थना सभा प्रभारी

## **ECO CLUB REPORT (2020-21)**

### **ECO CLUB: GREENAGERS OF SCHOOL**

The activities of our Greenagers confined to home due to this pandemic covid -19 but they were high spirited in doing and designing all the online eco club work.

The purpose of these activities is to keep them aware of the environmental issues.

A Google class room was created and activities were performed through it.

#### *1. One student one plant*

Plantation is the important part of all activities. Students were motivated to plant saplings or seeds at home. The result will be observed in the month of march 2021.

Plantation was done in school campus by respected Principal madam and staff members.

#### *2. Best out of waste*

Students prepared (useful or decorative) items from the waste materials enthusiastically. They shared many videos constructing their items.

#### *3. How to be Eco friendly during COVID -19.*

Small eco friendly things were done by the students during lockdown.

#### *4. Poster making competition*

*Plastics: A threat for aquatic life.*

#### *5. Slogan writing -Water conservation*

#### *6. poetry recitation -Beauty of Nature*

#### *7. Description of medicinal plants useful for respiratory disease during covid 19*

*8.. Speech - Indoor air pollutants. During this period, we all are at home. so, we have to be aware of INDOOR AIR POLLUTANTS and their prevention. Some of the examples are paints, detergents, sprays, perfumes, mosquito repellent. These can affect indoor environment. Students participated actively.*

Students took part in almost all the activities with zeal. These all activities were organized for class 6 to 12 and sensitize them to the issues of climate change.

Eco club gives chance to learn, discuss, and expand their knowledge of environmental issues.

Sunita Chauhan (PGT  
Biology)

# हिंदी एवं संस्कृत अनुभाग

## सुनहरे सफ़र की यादें

ज़िंदगी में कुछ खास लम्हे बड़ी मुश्किलों से आते हैं। जो इन लम्हों को जी लेता है वो ज़िंदगी को जी लेता है और जो इन लम्हों को खो देता है उसके लिए यह सिर्फ एक बीता हुआ कल बन जाते हैं। मैं इस ज़िंदगी के सफ़र में उस हम सफ़र की तरह हूँ जिसका सफ़र कभी थमता नहीं, मैं आज आपनी ज़िंदगी के कुछ लम्हे आपके साथ जीने जा रही हूँ। मेरी यह स्वर्ण यात्रा 2015 में हिंदुस्तान के एक राज्य पंजाब में घटित हुई। मेरा पूरा परिवार उस समय पंजाब के कपूरथला शहर में रहता था। पंजाब राज्य अपने खान पान और सब से ज्यादा ऐतिहासिक स्थलों के लिए जाना जाता है। हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा मशहूर धार्मिक स्थलों में से एक है। हम 6 दिसम्बर 2015 को हरमंदिर साहिब पहुँचे। पहली बार हम वहाँ के नज़ारों का लुत्फ़ उठा रहे थे ऐसा लग रहा था जैसे हम कोई जन्नत में आ पहुँचे हैं। फिर हम चल दिए दर्शन करने। उस दिन मैंने पहली बार अपनी खुली आँखों से जो देखा उसे मैं शायद ही कभी बुला पाऊँगी। बड़े से तालाब की गोद में समाया हुआ स्वर्ण मंदिर जो अपनी रोशनी इस प्रकार दे रहा था जिस प्रकार दिया जलता है। शाम के वक्त जैसे कोई अलग सी दुनिया के समान प्रतीत हो रहा था। लगभग 40 मिनट बाद हमारा नंबर आया। अंदर का माहौल किसी संत व पवित्र जगह के समान था। मैंने अपने हाथों से उस स्वर्ण दीवार को छुआ थोड़ी देर वहाँ बैठने के बाद हम वापस मंदिर से निकल कर प्रसाद लेने की लाइन में लग गए। वहाँ का प्रसाद खाते ही मेरे मन को सुकून मिला। मेरी माताजी के आग्रह पर हम तालाब के पास जाकर कुछ देर बैठे। मैंने अपने पैरों को तालाब के जल में डाला और कुछ ही देर बाद वहाँ लाल, हरी, नीली, पीली मछलियाँ देखी और जैसे मानो मुझसे कुछ मांग रही हों। तभी मैंने अपने प्रसाद में से थोड़ा सा प्रसाद उन को भी खिला दिया, मेरी बहन को यह सब बहुत मनोरंजक लग रहा था। मैंने अपने पिता से हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा के बारे में पूछा और मेरे पूछने पर उन्होंने मंदिर के बारे में जो बताया वो आप में से शायद कुछ लोगों को ही पता होगा कि स्वर्ण मंदिर को अमृत सरोवर के बीच में बनाया गया है। सिख धर्म का सबसे पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब सबसे पहले स्वर्ण मन्दिर में ही स्थापित किया गया था। इस मंदिर का मुख्य हॉल गुरु ग्रंथ साहिब का घर था। एक और अनोखी बात इस मंदिर की यह है कि यहाँ पर सीढ़ियाँ अन्य तीर्थस्थलों की तरह ऊपर की ओर नहीं जाती हैं बल्कि नीचे की तरफ उतरती हैं। सम्पूर्ण

मंदिर शहर के समतल से नीचे की ओर बना हुआ है। इसकी बनावट भी काफी अलग है, यहाँ पर चित्रों को हाथ से पेंट किया गया है और कलाकृतियां भी काफी अलग हैं जो कि मुगल और भारतीय वास्तुकला को दर्शाती हैं। इसके बाद हम वहाँ से चल कर लंगर घर गए जहाँ पर हमने जल पान किया और उसके बाद हम अपने होटल चले गए। दूसरे दिन हम वहाँ के हिस्टॉरिकल म्यूजियम गए। अंदर पहुंचकर एक अलग सी बेचैनी हो रही थी , एक अलग सा डर प्रतीत हो रहा था। हरमंदिर साहब का न सिर्फ म्यूजियम हमें गुरुनानक जी की जीवनी बताता है बल्कि हिन्दुओं और हमारे निडर सिखों पर जुल्म की कहानी को व्यक्त करता है। हर तस्वीर आपको डराती है मानो वो आपसे यह कह रही हो कि 'मुगलों का शासक हिंदुस्तान पर हुकूमत करेगा'। म्यूजियम के अगले भाग में आपको ऐतिहासिक दौर से जुड़ी वे सारी चीजे दिखेगी। मेरी आँखे इन सब चीजों खो देख कर नम हो गईं और अधिक न घूमते हुए हम वहाँ से वापिस आ गए। थोड़ी देर रुकने के बाद हम सीधे वहाँ से एक ऐसी जगह गए जिसे हम सब आज जलियाँ वाला बाग के नाम से जानते हैं। वहाँ जाने पर ऐसा लगा मानो अंदर की दीवार मुझे अपनी ओर धकेल रही थी। मेरी पहले नजर वहाँ रखी ज्वाला पर गई जो आज तक कभी बुझी नहीं थी हमने सारी जगह का निरीक्षण किया और फिर हम जलियाँ वाला बाग के म्यूजियम गए जहाँ पर बहुत सी तस्वीरें लगी हुई थी जिन में से सब से ज्यादा मुझे जलियांवाला बाग की पेंटिंग ने आकर्षित किया जो मुझे उस समय की सारी कहानी व्यक्त कर रही थी। जलियांवाला बाग हत्याकांड भारत के इतिहास से जुड़ी हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है । सन 1919 में 13 अप्रैल के दिन हजारों की संख्या में लोग इकट्ठे हुए उसी समय डायर ने अपने ऑफिसर्स को फायरिंग का आदेश दिया, और तब हुआ बहुत ही दिल दहला देने वाला हत्याकांड। यह सुन कर मेरी रूह काँप गई थी। तीसरे दिन हम वहाँ से सुबह के 10:50 पर निकल गए और 3 घंटे बाद हम अपने घर वापिस आ गए। यह यात्रा मेरे जीवन की एक ऐसी यात्रा जिसे मैं शायद कभी भूल नहीं पाऊंगी लेकिन मैंने जैसा आप से कहा था कि हम अक्सर इन चीजों को याद करके पछताते हैं जो आज सिर्फ एक बीता हुआ कल बन चुका होता है। ऐसा ही कुछ मेरे साथ भी है मेरे पूरे परिवार को पंजाब छोड़े हुए पूरे 5 साल हो गए हैं और मैं और मेरा परिवार उस जगह से काफी दूर दिल्ली में रहता है। माना कि मुझे मेरी यात्रा वृत्तांत लिखने में बहुत समय लगा लेकिन आज मैं अपनी यात्रा वृत्तांत को आप तक पहुंचाने में सक्षम हुई हूँ ।

कोमल प्रसाद, बारहवीं ई

## चित्रकार और शेर

चित्रकार सुनसान जगह में बना रहा था चित्र,  
इतने में वहां आ गया यमराज का मित्र  
उसे देख चित्रकार के तुरंत उड़ गए होश,  
नदी पहाड़ पेड़ पत्तों का न रह गया कुछ जोश  
फिर कुछ हिम्मत आयी देख उसे चुपचाप,  
बोला सुन्दर चित्र बना दू बैठ जाइये आप  
उकरू मुकरू बैठ गया वह सारे अंग बटोर,  
बड़े ध्यान से लगा देखने चित्रकार की ओर  
चित्रकार ने कहा हो गया आगे का तैयार  
अब मुँह आप उधर तो करिये जंगल के सरदार  
बैठ गया वह पीठ फिराकर चित्रकार की ओर  
चित्रकार चुपके से खिसका जैसे कोई चोर  
बहुत देर तक आँख मूंदकर पीठ घुमाकर शेर  
बैठे -बैठे लगा सोचने इधर हुई क्यों देर  
झील किनारे नाव लगी थी एक रखा था बांस  
चित्रकार ने नाव पकड़ कर ली जी भर कर सांस  
जल्दी जल्दी नाव चलाकर निकल गया वह दूर  
उधर शेर था धोखा खाकर झुंझलाहट में चूर  
शेर बहुत खिसियाकर बोला नाव जरा ले रोक  
कलम और कागज तो ले जा रे कायर डरपोक  
चित्रकार ने कहा तुरंत ही रखिये अपने पास  
चित्रकला का आप कीजिये जंगल में अभ्यास

साँची, छठी ब

## कोरोनावायरस

कोरोनावायरस मेरा नाम,  
दिल दहलाना मेरा काम।  
घर मेरा हुबेई प्रांत,  
वायरस का मैं हूँ रजनीकांत।  
कोरोनावायरस मेरा नाम,  
दिल दहलाना मेरा काम।  
महामारी से दहला अमेरिका,  
दहला सारा का सारा ईरान।

कोरोनावायरस मेरा नाम,  
दिल दहलाना मेरा काम।  
वायरस पहुंचा पाकिस्तान,  
कनाडा भी करता त्राहिमाम।

कोरोनावायरस मेरा नाम,  
दिल दहलाना मेरा काम।  
करोड़ों की मैंने की जिंदगी बर्बाद,  
कितनों का किया मैंने बेड़ापार।  
कोरोनावायरस मेरा नाम,  
दिल दहलाना मेरा काम।  
हर गली में लगे पोस्टर,  
चल रहा है जागरूकता अभियान।

कोरोनावायरस मेरा नाम,  
दिल दहलाना मेरा काम।  
इसी वजह से दूसरी लहर,  
का कर दिया मैंने ऐलान।

मुस्कान, नवी ब

## अक्षरधाम की यात्रा

अक्षरधाम अर्थात प्रभु श्री स्वामीनारायण का धाम । मैं जब 10 साल की थी तब मैं अपने माता-पिता, दादी और दहू के साथ अक्षरधाम गई थी । उस समय मुझे प्रभु श्री पुरुषोत्तम के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी । उस समय तो केवल स्वामीनारायण भगवान का नाम ही जानती थी । जब हम मंदिर के समीप आ गए तब मैंने अन्दर का दृश्य देखा, वह एकदम अलग था।

ऐसा लग रहा था मानो स्वर्ग में हो । इतना सुन्दर दृश्य मैंने आज तक नहीं देखा था । हर तरफ चिड़ियों की मधुर वाणी थी, फूलों की सुगंध पूरे वायु में फैली हुई थी। मन तो मानो अभी ना उठेगा। जब हम सभी मंदिर के समीप जाने लगे तो हमारी नज़र दीवारों पर तराशी हुई तस्वीरों पर गई । वह तस्वीर अपनी कुछ अलग ही कहानी बता रही थीं । हर एक तराशे हुए अनोखे चित्र प्रभु जी के साथ घटित नीलकंठ रूप का चित्रण कर रहे थे और ऐसा लग रहा था जैसे तराशने वाले ने दिल लगाकर तराशा हो। अब हम सभी मंदिर के बड़ी सीढ़ियों से आगे मंदिर में जाना था। सीढ़ियां इतनी सारी थी कि चढ़ते चढ़ते पसीने छूट गए। परन्तु जब हम सभी मंदिर के अंदर आये तो ऐसा लगा मानो श्री हरी ने सारी थकान मिटा दी हो। मंदिर का दृश्य बहुत सुन्दर था। सब कुछ मोतियों से जड़ा हुआ था। जब हमने ऊपर की ओर देखा तो बहुत सारी ईश्वरीय प्रतिमाएं नजर आयीं । सब कुछ असली है यह विश्वास ही नहीं हो रहा था। परन्तु नारायण मुनि जी (स्वामीनारायण भगवान ) की प्रतिमा परदे से ढकी हुई थी। कुछ समय बाद सहजानंद जी (स्वामीनारायण भगवान् ) से मुलाकात हो ही जाती है । इतनी बड़ी सुन्दर और बहुत आकर्षित प्रभु जी की प्रतिमा थी । मन कर रहा था कि वहीं बैठकर प्रभु जी को देखती रहूं।

परन्तु अभी हमें उनके बाल रूप घनश्याम और श्री नीलकंठ वर्णी जी से भी तो मुलाकात करनी थी। पर दुर्भाग्यवश वह हो नहीं पाया क्योंकि मंदिर के किवाड़ बंद करने का समय हो गया था और घर जाने को भी। परन्तु मैंने नीलकंठ वर्णी से कह दिया था कि प्रभु मैं आपसे वापस मिलने जरूर आऊंगी।

सृष्टि, आठवीं - 'स'

## बड़े होकर भाई-बहन.....

कितने दूर हो जाते हैं।  
इतने व्यस्त हैं सभी  
कि मिलने को मजबूर हो जाते हैं ।  
एक दिन भी जिनके बिना  
नहीं रह सकते थे हम  
सब जिन्दगी में अपनी  
मसरूफ़ हो जाते हैं ।  
छोटी छोटी बातें बताये बिना  
हम रह नहीं पाते थे ।  
अब बड़ी बड़ी मुश्किलों से  
हम अकेले जूझते जाते हैं ।  
ऐसा भी नहीं  
कि अहमियत नहीं है कोई  
पर अपनी तकलीफ़ें  
जाने क्यूँ उनसे छिपा जाते हैं ।  
रिश्ते नए  
जिन्दगी से जुड़ते चले जाते हैं  
और बचपन के ये रिश्ते  
कहीं दूर हो जाते हैं।  
खेल खेल में रूठना मनाना  
रोज रोज की बात थी  
अब छोटी सी भी गलतफहमी से  
दिलों को दूर कर जाते हैं ।  
सब अपनी उलझनों में  
उलझ कर रह जाते हैं



कैसे बताएं उन्हें हम  
वो हमें कितना याद आते हैं ।  
वो जिन्हें एक पल भी  
हम भूल नहीं पाते हैं  
बड़े होकर वो भाई बहन  
हमसे दूर हो जाते हैं ।

सिद्धेश, नवी अ

## मेरी बगिया

मेरा बाग है सुंदर  
है वह घर के अंदर।  
फूल खिले हैं बड़े-बड़े  
एक दूसरे से गले मिले।  
तितली आई पीने रस,  
फूल हो गए खुश।  
तोता आया अमरुद खाने,  
मधुमक्खी लगीं भिनभिने।  
सारी चिड़िया चहकीं,  
बगिया हमारी महकी।  
जब ये मैंने देखा सब,  
गाना मैंने शुरू किया तब॥

सेजल, छठी अ

## हरियाली

क्या होती है हरियाली,  
देखा है क्या तुमने इसको?  
मैंने तो देखा है बहुत बार।  
देखा होगा तुमने भी,  
कई-कई बार।

खेतों में हरी-भरी फसलें लहराएँ,  
सब कुछ लगे हरा-धुला।  
इसको कहते हैं हरियाली?  
कौन नहीं जाने है भला॥

पत्ती वाले पेड़ को हम कहते हैं हरा-भरा,  
बहुत सारे पेड़ों से बाग बने हरा-भरा।  
कहाँ रहती है हरियाली,  
देखा है क्या तुमने इसको?  
खेतों की फसलों और बागों के पेड़ों में,  
यहीं तो रहती हरियाली॥

सेजल, कक्षा छठी अ

## कब होगा??

बोल बोल भगवान ताला कब खुलेगा ?  
पाठशाला जाने का दिन कब आएगा ?  
लैपटाप मोबाइल पर सीखना अब अच्छा नहीं लगता ।  
'केन्द्रीय विद्यालय' जाकर पढ़ने को दिल अब करता ॥  
अध्यापको से अध्यापन करना कितनी बड़ी बात है ।  
दोस्तों के साथ खाने में मजा कुछ और है ॥  
कब हमारे नसीब में यह सुख आएगा ?  
बोल बोल भगवान यह दिन कब आएगा ?  
भारत का भविष्य आज कमरे में बंद है ।  
आंखें खोलकर देख क्या तुझे ये पसंद है ?  
खुली हवा में जाकर कब हम खेलेंगे ?  
यार दोस्तों से मिलकर धूम कब मचाएंगे ?  
कब छूटेगा ये मास्क, बार बार हाथ धोना ?  
कब मिलेगा हमें खुलकर जीना ?  
कोरोना से जंग जीते वह विजय दिन कब आएगा ?  
बोल बोल भगवान क्या सपना ये सच होगा ?

सौम्या, पाँचवीं 'ड'

## बूंदें नहीं गिरें

आगाज़ था वो रात का  
अंधरे बिन उजाले में  
इस धड़कन की सच्ची स्याही  
फैली झूठे अखबारों पर

हाँ अपनापन जो खो गया  
अब मृगतृष्णा-सा लगता है  
हर तीसरी आँख में मुझको  
कपट-कुटिल जो दिखता है  
जब मोहब्बत का मोह  
सिर्फ हुस्न तक ही रह गया  
ईमानदार का नाम जो  
ईमान से ही हुआ जुदा  
अब लिखकर आज होगा ही क्या  
सब देख यूँ मिटता ही है  
जब सत्य के आवेश में  
अब झूठ बस बिकता ही है  
नस-नस में पाखंड है बसा  
देख जीने की वेदना मरी  
बारिश आई थी मगर  
बूंदे नहीं गिरि

उम्मीदों का है ये सिलसिला  
प्रश्नों से दबा ये काफ़ीरा  
हर हार में भी जीत का  
जलती आग में भी नीर सा  
एक परिवर्तन मैं सोचता हूँ  
टूटे आईने से अब मैं खफा हूँ  
क्यों डरु अब हर शब्द से मैं?  
घबराऊँ अपने फक्र से मैं?

क्या सोच उनकी है सही?  
क्यों शब्द उनके, मैं बन्नू  
क्यों हर झूठे तर्क पे अब  
विस्तार उत्तर मैं कहूँ?  
बस बहुत हुआ ये सिलसिला  
झूठी उम्मीदें, नहीं सही  
इंसानियत में खोट है जब  
मोहब्बत भला कैसे टिकी?  
टूटे दिलों की दास्तां  
फिर जुड़ने से क्यों डरी?  
बारिश आई थी मगर  
बूंदे नहीं गिरीं

हर्षित व्यास, बारहवीं 'स'

## सिक्किम के सुंदर फूल

हिम पर्वत पर मिलने वाले,  
फूल बड़े मतवाले।  
छोटे झंडी से पौधे तक,  
इसके रूप निराले ॥  
छह हजार मीटर ऊंचाई,  
तक यह पाया जाता।

धीमी गति से बढ़कर अपना,  
सुंदर रूप सजाता ॥  
मूल रूप से सिक्किम का है,  
सर्दी सहने वाला।  
मोटे डंठल चौड़ी पत्ती,  
पौधा बड़ा निराला ॥  
आते ही गर्मी का मौसम,  
फूल अनोखे आते।  
पतले होते ये घंटी से,  
फिर गुलाब हो जाते ॥  
अंग सभी उपयोगी इसके,  
औषधि खूब बनाते।  
रोग भयानक लगने वाले,  
छूमंतर हो जाते ॥

अशविका, आठवीं स

## स्त्री

एक आवाज है मुझ में भी  
जो हर पल कुछ न कुछ कहती हैं मुझसे  
अपनी न सुनकर तू क्यों हर पल,

दूसरों की खुशियों में है जीती।  
खुल के किसी को कुछ बता नहीं पाती,  
दिन रात करती है तू इतनी मेहनत  
तू क्यों? हर दर्द को खुशी से है सहती  
देखो जरा सुन तो, तेरी दिल की  
धड़कन भी कुछ कहती है तुझसे  
कर दिया कुछ ऐसा कमाल  
जिससे खुद की भी हो तेरी पहचान  
यह तो दुनिया है जो,  
स्त्री पर लगाती है इल्जाम  
मुश्किलों में जो तेरा साथ  
वही है तेरा साथी  
अपने को पहचान तू  
दूसरों से क्या उम्मीद है लगाती  
बस अब तुझ को समझना है खुद को  
में किसी से कम नहीं  
सारी दुनिया को है दिखालाऊँगी  
में एक स्त्री हूँ, सभी को यहीं गर्व से बताऊँगी।

रवीना सिंह, बाहरवीं- ई

## ऑफलाइन क्लासेज की खट्टी-मीठी यादें

मोबाईल के एडमिन वाट्सऐप ग्रुप में विद्यालय की ई-पत्रिका के प्रकाशन से संबंधित नोटिफिकेशन आया। उसमें हम कक्षा आठ के छात्रों से लेख लिखने को कहा गया था। मेरे समझ में नहीं आ रहा था कि क्या लिखूं, किस विषय पर लिखूं। फिर पुरानी यादों में खो गया। यादों की गलियारों से घूमने के क्रम में ऑफलाइन क्लासेज की खट्टी-मीठी यादें ताजा हो गयीं। मार्च सन् 2020 में मेरी कक्षा छठी की फाइनल परीक्षा चल रही थी। लेकिन किसे क्या मालूम था कि हमारी अंतिम विषय की परीक्षा संपन्न होने से पहले कोरोनावायरस के भयावह रूप के कारण लॉकडाउन लग जायेगा। खैर, लॉकडाउन हुआ। लॉकडाउन के शुरुआती महीनों में हमें काफी अच्छा लगा, क्योंकि फाइनल परीक्षा के दौरान हमें अपने पर्चों की तैयारी के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। और लॉकडाउन के रूप में छुट्टियाँ मिली, उसमें हमने राहत की सांस ली। अब लॉकडाउन के माध्यम से प्राप्त छुट्टियों का यह आलम था कि हमें सुबह उठने की जल्दी न थी ; और न ही सुबह स्नान कर जल्दबाजी में स्कूल बैग में पुस्तकें सहेजने की जरूरत आन पड़ी। इतना ही नहीं उस समय घर के सामने वाले पार्क में इंतजार करते स्कूल वैन वाले अंकल का चेहरा याद नहीं आया। जिंदगी बड़े मजे से गुजर रही थी। लॉकडाउन के कुछेक महीनों बाद हम कक्षा सात में प्रोन्नत हुए। उसके बाद जो हमारे ऑनलाइन क्लासेज का सिलसिला शुरू हुआ, वो आज भी बदस्तूर जारी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऑनलाइन क्लासेज के अपने मजे और फायदे हैं। लेकिन घर में अपने माता-पिता के पैनी निगाहों की निगरानी में क्लास करने होते हैं।

ऐसा ऑफलाइन क्लासेज में नहीं था। क्लास पीरियड के दौरान भी हम मसखरापन और चुहलबाजी करने से बाज नहीं आते थे। क्लास टीचर द्वारा पकड़े जाने पर



ढंग से झूठ भी नहीं बोल पाते थे। हम बेसब्री से लंच आवर का इंतजार किया करते थे। लंच की किसे भूख होती थी ; लंच आवर तो महज बहाना था स्कूल ग्राउंड में खेलने और धमाचौकरी मचाने का। लंच आवर की घंटी बजते ही हम हेडमास्टर सर के चरणस्पर्श कर ग्राउंड की दिशा में दौड़ में पड़ते थे। यह कहना अतिशयोक्ति न होगी कि हमारे हेडमास्टर सर बेहद स्नेहिल स्वभाव के हैं; और मुझे कक्षा पहली से उनका भरपूर प्यार और आशीर्वाद मिलता आ रहा है। हालांकि आज हम माध्यमिक कक्षा के स्तर पर पहुंच गए हैं ; फिर भी उनके द्वारा दी गई पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों से संबंधित नसीहत हम नहीं भूले हैं।

खैर, हम दोस्तों की आगे की कहानी कुछ इस प्रकार हैं। लंच आवर के दौरान हम दोस्तों द्वारा लाए गए टिफिन बॉक्स अनछुए रह जाते थे। क्योंकि हम दोस्तों के दिमाग में सिर्फ खेलने का भूत सवार रहता था। लंच आवर के बाद जैसे क्लासेज शुरू होते थे, हमारे बैग में रखा लंच बॉक्स हमारे अंदर एक अंजान डर पैदा करता था। और वो भय था ; लंच नहीं खाने के कारण घर में पिटने की संभावना। इस भय से मुक्त होने के लिए हम दोस्त स्कूल के अंतिम पीरियड के बाद और वैन वाले अंकल के आने से पहले अपना लंच खत्म करने की कोशिश करते थे; और कई बार लंच बॉक्स में एक-दो पराठें बचे रह जाते थे; जिसका खामियाजा हमें घर पर डांट के रूप में भुगतना होता था। खुद के द्वारा घड़ियाली आंसू बहाना और नेताओं की तरह घर में झूठे वादे करना "मम्मी, मैं कल लंच पूरा खाकर आऊंगा प्रामिस ।" लेकिन हमारे द्वारा किये गये ये वादे कभी पूरे नहीं हुए।

आज जब मैं यादों के झरोखों में झांककर ऑफलाइन क्लासेज के दौरान अपने और अपने दोस्तों द्वारा की गई मसखरी और शरारतों को याद करता हूँ तो मन

ही मन काफी हंसता हूँ। और फिर से उन बिताए गए क्षणों को दुबारा जीने की इच्छा जाग उठती है।

शांतनु भद्र, आठवीं ब

## माँ

माँ शब्द केवल एक है,

पर मतलब अनेक हैं ।

हर रूप में माँ होती है,

शायद उस भगवान के रूप में भी होती है।

जब बात पापा की डांट की हो,

हमें बचाकर प्यार दिखाती हो

तेरा प्यार अलग है

तेरी ममता अलग है ।

तुझसे दुनिया शुरू हुई,

तेरे प्यार ने उससे संजोया ।

माँ तू एक नहीं,

तू हज़ार है ।

मेरे लिए तो तू भगवान है ।

स्नेहा पांडे, दसवीं ब (द्वितीय पाली)

## लॉक डाउन का सफर

चल के थकना नहीं दूर का सफर है  
रास्ते में मर गए तो कसूर भूख का है

अरे छोटे -छोटे बच्चे भी चल पड़े

खेल समझ दौड़ने लगे

जिंदगी का सफर समझने लगे

वो देखो माँ कुछ बंट रहा है

और जोर से भूख लग रहा है

वादा थोड़ा अभी बाकी रख लेंगे

थक गए अब अरे चलते रहो

थकना नहीं दूर का सफर है

भला किसने सोचा सड़क बना हमारे लिए

और चल पड़े यह लोग परिवार के लिए

उनके साथ वक़्त भी रो रहा है

विदेश से उड़ के आ रहे हैं कुछ

और खामोश लोगों के लिए

सड़क श्मशान बन रहे हैं

स्नेह पांडे

दसवीं ब (द्वितीय पाली)

## गरीब हूँ ना

कुछ पल किसी की बात सुनी  
उसके आँसू ने क्या बात कही  
कहा बस एक बार घर दिखा दो  
हो सके तो परिवार से मिलवा दो  
जेब में जितना पैसा सिर्फ उतना खाया  
याद है वो कविता साथी हाथ बढाना  
हो सके तो कुछ दिन रोटी खिलाना  
कमजोर हूँ ना इसलिए  
हर कोई दबाता  
बोला कहीं नही मंदिर, मस्जिद  
अल्लाह, भगवान कहाँ है जरा बता  
उधर कोई नही है  
यह तो बस मन में बसा

प्रियंका, दसवीं ब

## वीर जवानों का संघर्ष

वीर जवानों का संघर्ष, एक ऐसा विषय है जिसपर हर कोई बात करना चाहता है और अपने भावों को विभिन्न माध्यमों से, जैसे - गीतों द्वारा, कविताओं द्वारा, कहानियों में या चित्रों में प्रकट करता है। यह स्वाभाविक भी है क्योंकि, हमारे

जवान अपनी जान की परवाह किए बिना, बाहरी दुश्मनों से हमारी सुरक्षा करते हैं। हमें इस बात को हमेशा याद रखना चाहिए कि सरहद पर इनकी चौबीसों घंटे की सजग मुस्तैदी हमें सुख की नींद उपलब्ध कराती है। जहाँ चंद लोग ही मरने के बाद अपने अंगों को दान कर पुण्य कमाते हैं, वहीं हमारे जवान जीते-जी ही अपना पूरा शरीर इस देश के लिए कुर्बान कर देते हैं। इन जवानों को इतना भी नहीं पता होता कि सरहद पर जाने के बाद वो अपने पैरों पर घर वापस जाएंगे कि नहीं, बस वो चले जाते हैं सरहद पर इस देश की सुरक्षा करने। उनके परिवार वाले यही सोचते हैं कि कहीं ये उनकी आखिरी मुलाकात तो नहीं, लेकिन फिर भी वो अपने दिल पर पत्थर रख कर उनको देश की सेवा करने भेज देते हैं। जब कोई वीर सिपाही देश की सुरक्षा में अपना सर्वस्व समर्पित कर तिरंगे में लिपटकर आता है, तब उस क्षण पहली बार तिरंगे को देखकर रोना आ रहा होता है।

हमारे वीर जवानों का जीवन भी बहुत कठिनाइयों से गुजरता है, जैसे - इन्हें कभी भीषण से भीषण गर्मी में रहना पड़ता है जहां पर तापमान अक्सर 50°C रहता है और कभी कभी ऐसी जगहों पर भी जहाँ शरीर का कोई अंग अगर खुले में हो, तो ठंड से उसका गलना तय हो जाए। मगर यह सब अब उनके जीवन का हिस्सा सा बन चुका है। इन चुनौतियों और संघर्ष के बावजूद हमारे वीर जवानों के हौसले कभी पस्त नहीं होते और वो दुगुनी उमंग और जोश से देश की सीमा पर फौलादी सीने के साथ चट्टान की तरह डटे रहते हैं।

अंत में मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि मात्र सोशल मीडिया पर भाव प्रकट करने के बजाए हम, अपने देश को शिखर पर ले जाने के उनके सपनों को, जो उन्होंने अपने जीते जी देखा था, पूरा करें।

॥ जय हिन्द ॥

पूर्णदु साकेत, ग्यारहवीं - ई

## " जिन्दगी "

चूम ले हर मुश्किल को,  
दिल से लगा ले ज़िन्दगी को  
कई खूबसूरत चीजें हैं तुम्हारे इंतजार में  
ना उड़ा उन्हें इस उम्र में गवा के,  
एक ही ज़िन्दगी है उसे जी ले खुल के  
एक बार मौका मिला है,  
उड़ ले फिर से।  
ताकि बाद में पछतावा ना हो तुझे की अगर ,  
थाम लेता हाथ उस खूबसूरत ज़िन्दगी का,  
तो सफ़र कुछ और ही होता , ज़िन्दगी कुछ और ही होती।  
इसलिए पंख लगा अपने सपनों को और  
उड़ जा अपनी मंजिल की ओर ,  
दिल से लगा ले अपनी मंजिल और ज़िन्दगी को।  
चूम ले हर मुश्किल को  
दिल से लगा ले ज़िन्दगी को  
हम सफर बन जा ज़िन्दगी का।

मेधा, ग्यारहवीं - ई

## हिंदी भाषा

प्रकृति की पहली ध्वनि ॐ है  
मेरी हिंदी भाषा भी , इसी ॐ की देन हैं  
देवनागरी लिपि है इसकी, देवों के कलम से उपजी  
बंगाली, गुजराती, भोजपुरी, डोगरी, पंजाबी और हिन्दी  
संस्कृत हैं सब की जननी ।  
प्रकृति की हर इक चीज अपने में पूर्ण है  
मेरी हिंदी भाषा भी अपने में संपूर्ण है  
जो बोलते हैं वो लिखते हैं ,  
मन के भाव सही उभरते हैं ।  
हिन्दी भाषा ही तुम्हें , प्रकृति के समीप ले  
जाएगी,  
मन की शुद्धि तन की शुद्धि,  
सहायक यह बन जाएगी ।  
कुछ हवा ऐसी चली है  
यहाँ कहते हैं इस मातृभाषा को बदल डालो ।  
बदल सकोगे क्या तुम अपनी माता को?  
मातृभाषा का क्यों बदलाव करो ।  
देवों की भाषा का क्यों तुम तिरस्कार करो ।

बदल सको तो तुम अपनी सोच को बदल डालो

हर इक भाषा का तुम दिल से सम्मान करो

हिन्द की जड़ों पर आओ हम गर्व करें

हिंदी भाषा पर आओ हम गर्व करें ।

नाम - खुशी, ग्यारहवीं - ई

## नई शिक्षा नीति: शिक्षा की एक नई प्रणाली

भारत सरकार द्वारा 2030 तक नीतिगत पहलुओं को प्राप्त करने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति तैयार की गई है। यह मौजूदा शिक्षा नीति में पूर्ण परिवर्तन है जिसे अंतिम बार 1986 में लागू किया गया था। यह विद्यार्थी की आत्म-क्षमताओं और अवधारणा पर आधारित सीखने की प्रक्रिया है न कि रटने वाली प्रक्रिया।

वर्तमान नीति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की जगह ले चुकी है .नई शिक्षा नीति के बारे में चर्चा जनवरी 2015 में कैबिनेट सचिव टीएसआर सुब्रमणियन के नेतृत्व में समिति द्वारा शुरू की गई थी और 2017 में समिति द्वारा एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। 2017 की रिपोर्ट के आधार पर बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का एक मसौदा, 2019 में पूर्व इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) प्रमुख कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में नई टीम द्वारा प्रस्तुत किया गया था। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जनता और हितधारकों के साथ परामर्श के बाद मसौदा नई शिक्षा नीति की घोषणा की गई थी। नई शिक्षा नीति 29 जुलाई, 2020 को अस्तित्व में आई।



विद्यालय शिक्षा -10+2 मापांक को 5+3+3+4 मॉडल द्वारा बदल दिया गया है। यह निष्पादन कुछ इस प्रकार से किया जाएगा: फाउंडेशनल स्टेज - इसमें तीन साल की प्री-स्कूलिंग अवधि शामिल होगी। प्रारंभिक चरण - यह 8-11 वर्ष की आयु के साथ, कक्षा 3-5 का गठन करता है। मध्य चरण - यह 11-14 वर्ष की आयु के साथ, कक्षा 6-8 का गठन करेगा। माध्यमिक चरण - यह 14-19 वर्ष की आयु के साथ, कक्षा 9-12 का गठन करेगा। इन चार वर्षों को बहु-विषयक अध्ययन के लिए विकल्प के साथ जोड़ा जाएगा। अब केवल एक अनुशासन में अध्ययन करना आवश्यक नहीं होगा। छात्रों को केवल तीन बार, यानी कक्षा 3, कक्षा 5 कक्षा 8वीं में परीक्षाएं देनी होंगी। "परख", निकाय की स्थापना की जायेगी जो छात्रों के प्रदर्शन का आकलन करेगा।

उच्च शिक्षा स्नातक कार्यक्रम एक लचीले निकास के साथ 4 साल का कार्यक्रम होगा। जिसमें एक वर्ष का पाठ्यक्रम समाप्त कर लेने के बाद छात्र को प्रमाणपत्र प्रदान किया जायेगा, इसके अलावा 2 वर्ष समाप्त कर लेने के बाद डिप्लोमा की डिग्री, स्नातक की डिग्री 3-वर्ष के बाद और 4-वर्ष पूरा कर लेने पर शोध कार्य और अध्ययन किए गए विषय से संबंधित खोज के साथ एकीकृत किया जाएगा। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को धन और वित्त प्रदान करने के लिए उच्च शिक्षा अनुदान परिषद रहेगी। यह एआईसीटीई और यूजीसी की जगह लेगा। एनईईटी और जेईई आयोजित कराने के साथ-साथ विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए आम प्रवेश परीक्षा के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की जिम्मेदारी होगी। मास्टर ऑफ फिलॉसफी पाठ्यक्रम बंद कर दिया जायेगा, क्योंकि यह परास्नातक और पीएचडी के बीच एक मध्यवर्ती पाठ्यक्रम था। अनुसंधान और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरए) विकसित किया जाना है। विदेशी विश्वविद्यालय के परिसर हमारे देश में और उनके देश में हमारे परिसर स्थापित करेंगे।

शिक्षकों की शिक्षा और भर्ती शिक्षकों के लिए 4-वर्षीय एकीकृत बी.एड कार्यक्रम को अनिवार्य बना दिया। विभिन्न शिक्षण सहायक सामग्री के संबंध में शिक्षकों

के प्रशिक्षण के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की जानी चाहिए। शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता होनी चाहिए क्योंकि छात्रों के विकास के लिए एक शिक्षक ही केंद्रीकृत भूमिका में हैं।

यह सीखने वाले की आत्म-क्षमता, संज्ञानात्मक कौशल पर जोर देता है। यह एक बच्चे को अपनी प्रतिभा विकसित करने में मदद करेगा यदि वे जन्मजात प्रतिभावान हैं तो। पहले छात्रों के पास अध्ययन के लिए केवल एक ही विषय चुनने का विकल्प था, लेकिन अब अलग-अलग विषय चुन सकते हैं, उदाहरण के लिए - गणित के साथ-साथ कला और शिल्प का भी विकल्प चुन सकते हैं। हर विषय पर समान रूप से व्यवहार करने पर जोर। इस नीति का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच नवीन विचारों के समावेश के साथ सहभागिता, महत्वपूर्ण सोच और तर्क करने की क्षमता को विकसित करना है। स्नातक पाठ्यक्रमों में कई विकास विकल्प छात्रों को अनुभव से लाभान्वित करने और इस बीच कहीं काम करने से कौशल प्राप्त करने और फिर बाद में जारी रखने का अवसर प्रदान करेंगे। नई शिक्षा नीति किसी भी विषय को सीखने के व्यावहारिक पहलू पर केंद्रित है, क्योंकि यह अवधारणा को समझने का एक बेहतर तरीका माना जाता है .2040 तक सभी संस्थान और उच्च शिक्षण संस्थान बहु-विषयक बन जाएंगे।

नई शिक्षा नीति कई उपक्रमों के साथ रखी गई है जो वास्तव में वर्तमान परिदृश्य की जरूरत है। नीति का संबंध अध्ययन पाठ्यक्रम के साथ कौशल विकास पर ध्यान देना है। किसी भी चीज के सपने देखने से वह काम नहीं करेगा, क्योंकि उचित योजना और उसके अनुसार काम करने से केवल उद्देश्य पूरा करने में मदद मिलेगी। जितनी जल्दी एनईपी के उद्देश्य प्राप्त होंगे, उतना ही जल्दी हमारा राष्ट्र प्रगति की ओर अग्रसर करेगा।

एंजेल सोनी, दसवीं ब

## दिशा भ्रमित आचरण बदल दो.....

दिशा भ्रमित आचरण बदल दो...

मेरे प्यारे देशवासियों

दिशा भ्रमित आचरण बदल दो,

वैर भाव की गंध न आए ऐसा वातावरण बदल दो।।

धुआँ-धुआँ हो रही दिशाएँ धधक रही हिंसा की ज्वाला।

कितना भेद की मुख पर मधु पर अंतर में है विष का प्याला।।

हाय स्वयं से ही टकराकर बिखर रहा विश्वास हमारा।

पानी सदृश बह रही अब तो शोणित की यह रक्तिम धारा ।।

दंभ-द्वेष की आँधी में तुम अपनी सुंदर राह बनाकर औरों का अनुकरण बदल दो,

वैर भाव की गंध न आए ऐसा वातावरण बदल दो।।

मानवता के दीप बुझा कर सुना रहे जीवन की लोरी।

लोकतंत्र की लाश उठाए घूम रहे हर ओर अघोरी।

राजनीति की इस किताब को दीमक तिल-तिल चाट रहे हैं।

या तो इसके पन्ने फाड़ो या इसका संस्करण बदल दो,

वैर भाव की गंध न आए ऐसा वातावरण बदल दो।।

जागो भारत फिर से जागो,

आओ लगाएँ मिलकर यह नारा एकता की साधना हो फिर से यह हो जीवन लक्ष्य हमारा।।

देश हमारा आगे बढ़ेगा नवयुग का नायक यही बनेगा।

बस तुम ले लो अटल प्रतिज्ञा देशहित ही धर्म बनेगा।

एंजेल सोनी, दसवीं ब

# संस्कृत अनुभाग

## श्लोकः

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।

नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति॥1॥

अर्थ-आलस मनुष्य के शरीर में रहने वाला सबसे बड़ा दुश्मन है।

परिश्रम का कोई शत्रु नहीं है परिश्रम करके मनुष्य कभी भी दुखी नहीं होता है।

श्वः कार्यमद्य कुर्वीत पूर्वा हणे चापराहिकम्।

नहि प्रतीक्षते मृत्युः कृतमस्य न वा कृतम्॥2॥

अर्थ-कल का काम आज कर लेना चाहिए और दोपहर का सुबह।

मृत्यु इंतजार नहीं करती की काम पूरा कर लिया या नहीं।

सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्।

प्रियं च नानृतं ब्रूयात् एष धर्मः सनातनः॥3॥

अर्थ-सच बोलना चाहिए, प्रिय बोलना चाहिए,

अप्रिय सच नहीं बोलना चाहिए और प्रिय झूठ भी नहीं बोलना चाहिए।

यही धर्म सदा से चला आ रहा है।

सर्वदा व्यवहारे स्यात् औदार्यं सत्यता तथा।

ऋजुता मृदुता चापि कौटिल्यं च न कदाचन॥4॥

अर्थ-व्यवहार में हमेशा उदारता, सच्चाई, सरलता और कोमलता होनी चाहिए।

व्यवहार में कभी भी टेढ़ापन नहीं होना चाहिए।

श्रेष्ठं जनं गुरुं चापि मातरं पितरं तथा।

मनसा कर्मणा वाचा सेवेत सततं सदा॥5॥

अर्थ-सज्जन, गुरुजन और माता-पिता की हमेशा मन से, कर्म से और वाणी से निरन्तर सेवा करनी चाहिए।

मित्रेण कलहं कृत्वा न कदापि सुखी जनः।

इति ज्ञात्वा प्रयासेन तदेव परिवर्जयेत्॥6॥

अर्थ-मित्र के साथ झगड़ा करके मनुष्य कभी भी सुखी नहीं रहता है।

यह जानकर झगड़े से दूर रहने की कोशिश करनी चाहिए।

अपर्णा भट्टाचार्यी, सातवी ब

# गीता सार

नैनं छिद्रन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।

न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुत ॥

हतो वा प्राप्यसि स्वर्गम्, जित्वा वा भोक्ष्यसे महिम् ।

तस्मात् उत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः ॥

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः ।

अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥

परित्राणाय साधूनाम् विनाशाय च दुष्कृताम् ।

धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे-युगे ॥

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

ध्यायतो विषयान्पुंसः सङ्गस्तेषूपजायते ।

सङ्गात्संजायते कामः कामात्क्रोधोऽभिजायते ॥

क्रोधाद्भवति संमोहः संमोहात्स्मृतिविभ्रमः ।

स्मृतिभ्रंशाद्बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति ॥

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ॥

श्रद्धावान्लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः ।

ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति ॥

सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज।  
अहं त्वां सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः ॥



नित्यान्श कर, छठवीं ब

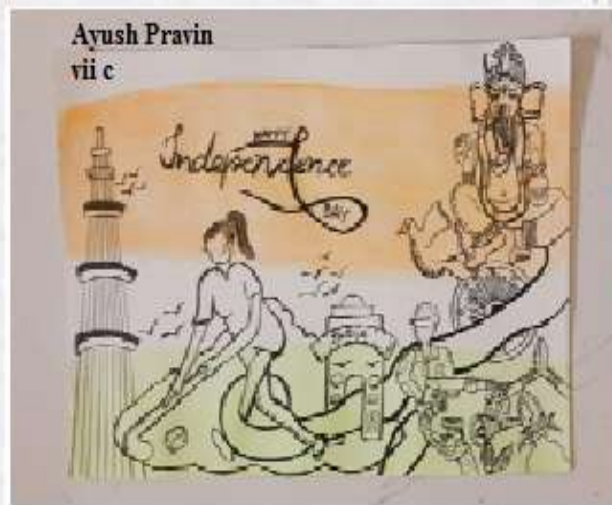
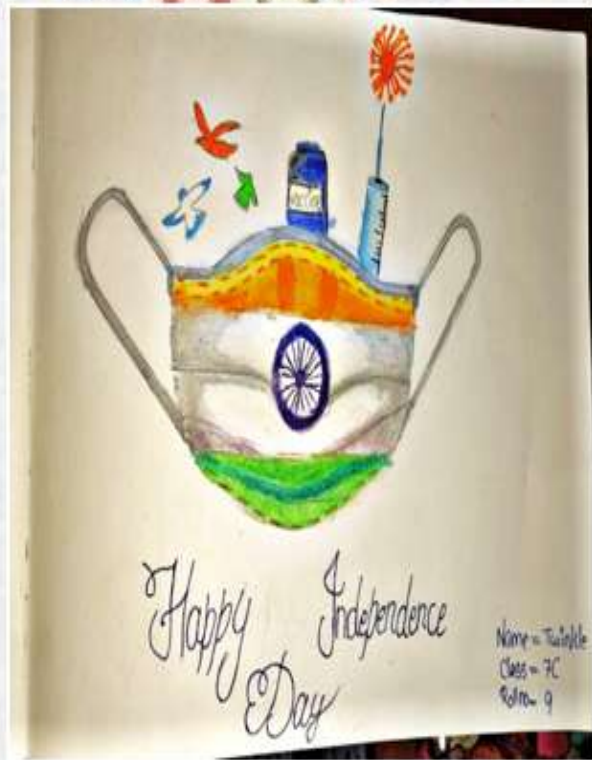
# कला अनुभाग



Rachit  
Verma  
VII C







Suchita Nigam



Suchita Nigam



Ayush Pravin  
vii c



Name - Praeti  
Class - 8 B  
School - Kankaria  
vidyalaya sector 8  
BK Puram How  
Delhi 110022  
Roll no. 12



# अंग्रेजी अनुभाग

## STRUGGLING WILL MAKE YOU STRONGER



Once upon a time, a man found a butterfly that was starting to hatch from its cocoon. He sat down and watched the butterfly for hours as it struggled to force itself through a tiny hole. Then, it suddenly stopped making progress and looked like it was stuck.

Therefore, the man decided to help the butterfly out. He took a pair of scissors and cut off the remaining bit of the cocoon. The butterfly then emerged easily, although it had



**BE THANKFUL FOR THE STRUGGLES YOU GO THROUGH. THEY MAKE YOU STRONGER, WISER & HUMBLE. DON'T LET THEM BREAK YOU. LET THEM MAKE YOU.**

a swollen body and small, shriveled wings.

The man thought nothing of it, and he sat there waiting for the wings to enlarge to support the butterfly. However, that never happened. The butterfly spent the rest of its life unable to fly, crawling around with small wings and a swollen body.

Despite the man's kind heart, he didn't understand that the restricting cocoon and the struggle needed by the butterfly to get itself through the small hole were God's way of forcing fluid from the body of the butterfly into its wings to prepare itself for flying once it was free."

Priyadarshini, 9<sup>th</sup> A

## Youth

Hues of blues and whites  
Were all mixed under the evening lights.  
The view I had, changed, every few seconds  
As the night came closer  
I swear the clouds felt bolder  
And then as I saw the birds scurry away  
I thought of home once again.  
The wind blew deftly,  
A caress to the ones on the road,  
And the night crept in  
Without so much as a warning,  
I continued to gaze at the sky;  
Eyes searching for stars this time,  
Heart reminiscing to the memory of earlier years.  
'Farewell', I said to my youth  
'Adieu' my youth said to me

**As we parted ways after what felt like eternity.  
Tears on the edge of my eyes finally gave way.  
I waited for the sun, to light my path again.**

**Kasvi Rajwar, 12<sup>th</sup> C**

## **NOT EVEN YOU**

**You are trapped in a love home  
No one sees it. Not even you  
But you feel it. Its all around you  
The corner keeps talking  
About now you are going to be  
All you can do, is lie and cry  
You can't explain the way  
the tear runs along the veins.  
The cold dark corner  
speaks again and again  
All alone you lie there dying.  
It's comes closer and closer  
You are trapped but no one sees you  
Not even you  
You simply win.  
One day your dream will come true  
That you don't have to be there**

**So Down and blue  
And those gossamer of sorrow  
Will be snatched by you an arrow  
It will release you to the world  
To prove your worth all talent shall by you  
be totally and finally unfurled**

**Nafreen Anjum, 12<sup>th</sup> C**

### **WHAT HAPPEN IF I?**

**[THIS POEM IS BASED ON THE THINKING OF A CHILD WHO IS THINKING THAT WHAT WOULD HAPPEN IF HE WILL BECOME HANDICAPPED FROM ANY OF THE BODY PART LET'S READ THIS POEM]**

**What would happen if I have no feet?  
Then how will I stand on to brush my teeth?**

**What would happen if I have no mouth?  
Then it will make me not to be shout!**

**What would happen if I have no ears?  
Then it will be the journey of fears!**

**What would happen if I have no hands?  
Then how will I tie bands?**

**What would happen if I have no wife?  
Then who will cut fruits for me with knife?**

**Raj Nandani, 10<sup>th</sup> A**

# **ECO FRIENDLY THINGS TO DO DURNING**

## **LOCKDOWN**

- 1. COOKING AND HOUSEKEEPING - YOU CAN FURTHER INCREASE LOCAL FOOD CONSUMPTION BY CREATING YOUR OWN VEGETABLE GARDEN FROM YOUR LEFT-OVER FRUIT AND VEGETABLES**
- 2. COMMUNICATION AND AWARENESS RAISING**
- 3. THE 3RS- REDUCING, REUSING AND RECYCLING**
- 4. START BALCONY BIRDING**
- 5. MAKE TIME FOR SPRING CLEANING**
- 6. NURTURE FOR GREEN THUMB**
- 7. CUT DOWN ENERGY USE AT HOME**
- 8. GIVE YOUR CAR A BREAK IF POSSIBLE**
- 9. ORGANISE A ' NOT SO FAST' FASHION SHOW**
- 10. REUSABLE TOILET PAPER**
- 11. SHAMPOO BAR AS FAR AS POSSIBLE**
- 12. HOMEMADE CLEANING PRODUCTS**
- 13. SOAP BAR**

## 14. AVOID POLLUTING WHILE CLEANING

## 15. DINE WITH THE PLANET IN MIND

Sanchita

Panda, 9<sup>th</sup> C

### Winter

Bewitched I was indeed,  
From the very soul of this season.  
Cold, cold and more  
Until mist blocked our eyes.  
From the sky above to the road below  
It all took us into a world unknown.  
Fantastical yet frosty,  
Bewilderment took my body,  
Earthly concerns I had none for those moments,  
Materialistic things were beyond.  
I was in my mind now;  
My imagination.

Kasvi Rajwar, 12<sup>th</sup> C

### Importance of Physical Health in our Lives

A Healthy mind lives in a healthy body. This is a proverb which everyone must have heard and read. But very few pay attention on it. A study was conducted - on its obesity and many related diseases were found among teenagers. Obesity specifically refers to an excess amount of body fat. This is due to sedentary lifestyle found among adolescents between the age group of 12-14years.



**They generally spend their time in watching TV and play mobile games. They don't go outside and play games with their friends. These habits affect their health not only physically but mentally too. Radiation from mobile affects their health and eye sight.**

**Om Kumar, 7<sup>th</sup> A**

## **Safety from Covid**

**The corona virus has been spreading since 2019 end. Being a highly contagious disease, it turned into pandemic very soon. It has caused loss of lakhs of lives across the world.**

**This dangerous corona virus spreads through our water droplets by coughing, sneezing etc. So, we have to take precautions like - wearing masks, sanitize our hands before and after going outside and we should also maintain social distancing. To fight corona we must boost our immunity by eating food which are rich in Vit. C, like - lemon, orange etc. And If possible, we should get vaccinated, it also helps in boosting immunity to fight corona.**

### **Science Fun Facts**

- 1) The human brain takes in 11 million bits of information every second but is aware of only 40.**
- 2) If you drilled a tunnel straight through the Earth and jumped in, it would take you exactly 42 minutes and 12 seconds to get to the other side.**
- 3) A medium-sized cumulus cloud weighs about the same as 80 elephants.**

- 4) A single bolt of lightning contains enough energy to cook 100,000 pieces of toast.
- 5) Gorillas and potatoes have two more chromosomes than humans do.
- 6) Human saliva contains a painkiller called opiorphin that is six times more powerful than morphine.
- 7) In an average lifetime, human skin completely replaces itself 900 times.
- 8) The air in an average-sized room weighs about 100 pounds.
- 9) A red blood cell can make a complete circuit of your body in 20 seconds.
- 10) Lava can flow as fast as a sprinting greyhound.
- 11)

**Name – Eakansh Kumar**

### **TIPS FOR STUDENTS: -**

- To be healthy, we need sufficient food and water so eat your breakfast before you attend the class and keep a water bottle with you.
- Sit in a calm and quiet space where you are comfortable to attend the class.
- Dress neatly and keep your hair combed while you are in the class so that you will feel fresh to attend a proper class.
- Keep a rough notebook and pen/pencil with you so that you can note important points and queries.
- Be active in the class, don't be so quiet.

- Listen to the class carefully and give responses to your teachers, whenever they ask you questions please reply to them, don't be afraid even if you don't know the answer, they'll correct you.
- Always attend your class in a proper posture, keep your [mobile/laptop/PC] in a table parallel to you because your backbone should be always straight.

### **TIPS FOR TEACHERS: -**

- Find what inspires your students and present your best.
- Keep the class interactive.
- Make every student feel that all of them are equally valued.
- Encourage those students who are not active in the class.
- Be patient with your students.

Anugraha Sunil, 8<sup>th</sup> B

2nd shift

### **CORONA VIRUS**

**What is Coronavirus?**

**Coronavirus is a very dangerous virus. The name was coined by June Almeida and David Tyrrell who first observed and studied human coronaviruses. This virus is named as Covid-19 because here 'CO' stands for corona, 'VI' for virus, and 'D' stands for disease, '19' stands for 2019 because it is discovered in year 2019. This**

disease has since spread worldwide, leading to an ongoing pandemic. This virus spread in human to human. The first known case was identified in Wuhan, China in December 2019.

**\*Symptoms and signs: -**

**Common Symptoms include headache, loss of smell and taste, nasal congestion and runny nose, cough, muscle pain, sore throat, fever, diarrhea, and breathing difficulties.**

**\*Spread: -**

**The virus spreads mainly between people who are in close contact with each other, typically within 1 meter (short-range). A person can be infected when aerosols or droplets containing the virus are inhaled or come directly into contact with the eyes, nose, or mouth. Individuals can also be infected from and touching surfaces contaminated with the virus and touching their face.**

**\*Precautions: -**

**To prevent the spread of Covid-19:**

- ☐ Clean your hand often. Use soap and water, or an alcohol-based hand rub.**
- ☐ Maintain a safe distance from anyone who is coughing or sneezing.**
- ☐ Wear a mask when physical distancing is not possible.**
- ☐ Don't touch your eyes, nose or mouth.**
- ☐ Stay at home if you feel unwell.**
- ☐ If you have a fever, cough and difficulty breathing, seek medical attentions.**
- ☐ Cover your nose and mouth with your bent elbow or a tissue when you cough or sneeze.**

## **\*Vaccine: -**

**A Covid-19 vaccine is a vaccine intended to provide acquired immunity against severe acute respiratory syndrome coronavirus. 'COVAXIN' is India's first indigenous Covid-19 vaccine by Bharat Biotech is developed in collaboration with the Indian Council of Medical Research (ICMR)-National Institute of Virology (NIV).**

**There are total +18.9 crore cases in the world, and +40.07 Lakhs people died due to covid-19 and it's still going on.**

**In India there are total +3.1 crore covid-19. Recovered cases are +3.02 crore, and +4.13 lakhs people died due to coronavirus. Highest cases of covid-19 in United States with +34,929,856 cases, and India is on the second position with +31,064,908 cases.**

**With fewer paid hours of work, median incomes are falling.**

**Overall, labour income is estimated to have fallen by as much as 10 per cent in the Asia-Pacific region in the first three quarters of 2020, equivalent to a 3 per cent loss in gross domestic product. A further consequence is the increase in working poverty levels. In absolute numbers, preliminary estimates in the reports finds an additional 22 million to 25 million persons could fall into working poverty, which would push the total number of working poor (living on less than \$1.90 a day) in the Asia- Pacific region to between 94 and 98 million.**

**Nikhil Anand, 8<sup>th</sup> A  
2<sup>nd</sup> Shift**

## Top 10 Fun Astronomical Facts

- 1. Olympus mons is the highest mountain and volcano in our solar system and is located on Mars. It is three times higher than Mount Everest.**
- 2. When ships pass through Point Nemo in the southern Pacific Ocean, they are 2,700 kilometers from nearest land. That means at the right time of the day, the nearest human are on the International Space Station, 416 kilometers up.**
- 3. When you're standing still, you're still moving, moving around the Milky way Galaxy at a speed of 8,28,000 km/hr.**
- 4. Famous physicist Michio Kaku says that now humans have completed theretical knowledge about Time Travel. And that "Time Travel" now is only engineering problem.**
- 5. If the Sun exploded, we would't know for 8 minutes & 20 seconds. It takes light & gravity that long to reach us. After that, Earth will be flung out of its orbit & we'd begin to vaporize.**
- 6. Earth can also transform into a black hole if it is compressed to 1.64cm with all the mass right now.**
- 7. Only matter with no mass can travel speed of light.**
- 8. The known universe is 93 billion light years wide and has trillions of galaxies.**

**9. Dark Matter makes up 85% of the matter in the Universe.**

**10. A German scientist predicted in 1953 that man named 'Elon' would lead humanity to Mars.**

**Name- Abdul Aziz**

## **SKILL DEVELOPMENT: THE NEED OF THE HOUR**

**India has forever been regarded as the land of scholars and learned men. It's rich ancient culture, religious and scholarly texts, are some of the many testimonies to this statement.**

**But today, India finds itself in a place where in each sphere, there are more employable people than the jobs available across the country. So much so that most people are over qualified for the jobs that they are currently in. Unemployment may be termed under various categories like disguised, open, seasonal etc. It leads to the rise of poverty, an increase in crime rate, exploitation of labour, political instability, mental health, and loss of skills in youth.**

**This problem, like many others needs to be dealt with at the earliest, to avoid a further spike in the rates of unemployment in the nation. The government needs to understand that this issue can be tackled only if the government collaborates with the job seeking youth and forms policies that are effective in practical aspects. Unilateral decisions have minimal/no effect on the number of unemployed youths.**

**The government's efforts to lay more emphasis on entrepreneurship, skill development is worthy of appreciation. Children should be taught at a young age to become employers but not job seekers. Their creativity should be kept alive to ensure their**

survival in this competitive world. The school system must develop a child's self-confidence and ensure that children are regularly counselled about the various career paths that lie ahead.

I feel pleased to announce that these points have been considered by the government of India and included in the NEP 2020, successful implementation of which can do wonders to the situation of our country.

Hoping that a better future awaits our nation!

Jai Hind!

Deepali Jani, 11<sup>th</sup> E

## **IMPORTANCE OF DISCIPLINE IN LIFE**

If you want to live a life that is regulated and ordered you need to stay in the discipline. The ability to follow a certain set of rules is known as discipline. It plays a vital role in everybody's life as it keeps the person to maintain decorum in his life. So, if you want to avoid any kind of chaos you ought to follow laws of the society you live in.

Nature itself demonstrates discipline in its mechanisms. You can see every day that the sun rises in the east and sets in the west and it's just the one process of nature. There are several other processes that exhibit discipline every day.

From the day we are born and till date, we have grown up learning the importance of discipline. In childhood only, we were taught to stay in the discipline by waking up early in the morning, brushing our teeth, going for a bath and getting ready for the school. This is just the first step of discipline at the beginning of the day. The whole day demands discipline so that our lives stay on track and does not loose order.

In school, our teachers always try to instil discipline and punctuality in our minds. They teach us how to maintain etiquettes in school, be it morning assembly, or doing homework on time. It is



**crucial to know the significance of discipline in our daily lives to make them better.**

**Not only school but discipline is equally important at workplaces where hundreds of employees work together. So, it's very important for an individual to learn the importance of discipline. This will definitely help them lead a successful and happy life.**

**There are numerous benefits to being disciplined. The foremost advantage is that it helps you to stay focused on your life goals. People who live in discipline usually stay away from bad habits and are able to focus on their work more than on the outside world. Everyone respects a disciplined person and consider them as their role model.**

**In a nutshell, the most essential thing in a person's life is discipline. One can only lead a meaningful life by staying in the discipline. It makes us to do the right things and lead a happy life full of positivity around.**

**Kunaal Thakur, 9<sup>th</sup> A**

## **Teachers**

**Teachers want to encourage us  
But we discourage their feelings  
Teachers want to make us perfect  
But we destroy their feelings.  
Teachers teach and want  
To see us happy  
Because their happiness  
Lives in our success.  
Teachers want to teach us everything  
But we happily want free classes.**

**They advise us when we**

**Go on the wrong track  
But still we make their hearts break.  
Teachers we know we break your  
Hearts many times  
But one day we will make  
You proud of us  
And we know we will miss you.**

**Jhalak Sagar, 9<sup>th</sup> B**

## **ENVIRONMENT**

**The environment with its treasures**

**All so countries to measure.**

**Fish and whales in the deep Blue water Life in the sea,  
so alive.**

**Grasslands & forests with terrestrial life  
cold, freezing, mountain peaks.**

**And hot, thing deserts**

**life among the trees & sands, So alive.**

**Sky so Blue with air so clean.**

**Only sun, moon & stars to see.**

**Eagles and vultures take their turn**

**Life in the sky so alive.**

## Peaceful life

Long long ago when God was creating the World, He makes many living beings like human, plants and animals. Human beings are the intelligent creature of God among all living beings. When the God was leaving the place after creation, human beings ask God to fulfill their desire. Then the God bring one bucket with mug to fulfills human desire. Human asks for Home. Then God poured Water there andhome appeared. After that human ask for, Transport, money, Food and all his wishes. Every time God took out one mug of water and desire of human beings immediately fulfilled,

God poured water and the all things appear. When the God was about to leave this place with his bucket and mug, human said that there is no water in a bucket, please give the bucket. Same can be used by human being. God said that there is a little water in a bucket and I can't give it to him. The human asks about that little water and what is the use of it. God said that it is the Peace and I will not give it to you. If you want the Peace, you have to pray to the God.

Peace never comes in life on his own, you have to earn it.

Chinmay Narayan Sahoo, 9<sup>th</sup> B

## Procrastination

### And ways to get rid of it

What is procrastination?

Well, the answer to that is quite simple. Procrastination is when we purposely delay something for the time being and decide to do something else in its place. While leaving the initial task for later, although we already know that its going to bring negative impacts. We often take procrastination as laziness, but they are very different from each other. After reading this you may probably find out that you have done this thing many times while working. And this can happen to us anytime regardless of our age. The consequences of procrastination are always bad, but sometimes they can be extremely severe. And to avoid these stressful and demotivating consequences, we must find a way to over come this thing. So, the first step is obviously, to know why you are procrastinating. There can be many reasons why you are procrastinating, for example- the kind of work you are supposed to do seems very boring to you, or you may be waiting for the right time when you will be productive. **STEP II- Focus on doing instead of avoiding.** Tackle tasks as soon as they arrive. You can also give yourself rewards after you complete an important task. You should try keeping a To-Do list, Set deadlines. Just think of the consequences after completing your tsk, you will feel light headed and less stressful, and obviously you will get more work done. And you will also learn to make tough decisions by going against your will. This habit, of not procrastinating, will help all of us to do progress and transform the life further as well.

### **Riddles for School Magazine**

1. If you don't keep me, I'll break. What am I?

Answer: A Promise

2. I have a tail and a head, but no body. What am I?

Answer: A Coin

3. What two things can you never eat for 'Breakfast'?

**Answer: Lunch and Dinner**

**4. I make a Loud sound when I'm changing. When I do change, I get bigger but weigh less. What am I?**

**Answer: Popcorn**

**5. I can fill a room, but I take up no space. What am I?**

**Answer: Light**

**6. If I have it, I don't share it. If I share it, I don't have it. What is it?**

**Answer: Secret**

**7. What goes away as soon as you talk about it?**

**Answer: Silence**

**8. Imagine you are in a room with no windows or doors. How will you get out?**

**Answer: Stop Imagining**

**9. What kind of room has no doors or windows?**

**Answer: Mushroom**

**10. A group of bunnies were having a birthday party. What kind of music were they listening to?**

**Answer: Hip-Hop music**

**S. Lokeshwar Rao, 6<sup>th</sup> B**



## **SWACHCHH BHARAT**



**Prime Minister Narendra Modi launched the**

**Swachchh Bharat Mission (SBM) on October 2<sup>nd</sup>, 2014, the 145<sup>th</sup> birth anniversary of Mahatma Gandhi. The ambitious programme aims to make the streets, roads and infrastructure**



across the country clean by October 02<sup>nd</sup>, 2019, the 150<sup>th</sup> birth anniversary of the Father of the Nation. It is India's biggest ever cleanliness drive.

Swachh Bharat Abhiyan is a targeted mission to build a clean, hygienic, and healthy India with adequate sanitation facilities, which makes more dignity for all Indians. It served as a significant purpose in making people aware of the importance of cleanliness. One of the most common problems in rural areas is that of open defecation. The premise of Swachh Bharat Abhiyan is to give the necessary sanitation facilities like toilets, solid and liquid waste disposal systems, village cleanliness, and safe and adequate drinking water supply to every person. It is also called a clean India Mission or Clean India drive or swachhbharat campaign. It is a national level campaign run by the Indian Government covering 4041 statutory towns to make them clean. It involves the construction of toilets promoting sanitation programs in rural areas.

### **Kedarnath: A Tragic Mishap**

Framed with the beautiful Mandakini river, snow clouded mountains, forests and mesmerising views, Kedarnath is a gift of spiritual experience for people.

Kedarnath, the temple and town also bore the brunt of nature's beauty, but the shrine survived. Some say massive older boulder block the path and saved the temple from being washed away and some say it was a miracle or just delete architecture that strain survives and continues to attract the devotee.

7:18 pm June 16,

**It was a deafening roar of a disaster, the sky has been torn asunder, huge boulders flung into the sky line and explosions and death was all around.**

**It was a non-stop rain since 14th June and showed the horrifying daunting mask after two consecutive days.**

**In no time long stretches of roads and houses swept away. In the fractions of seconds, the love, laugh, fight, dreams, goals and what not just flowed away with the lives of people. In just a blink huge amount of water swoop down massive giant rocks all of a sudden. The water was the culprit of massacre of countless innocent creatures of the world.**

**Torrential rains flooded the Saraswati river and Doodh Ganga Catchment area, resulting in excessive flow across all the channels. The metrological stations near Chorabari glacier recorded 325mm rainfall at the base of glacier in two days on June 15 and June 16.**

### **June 17**

**The overflow and collapse of the moraine-dammed Chorabari lake released a large volume of water that caused another flash flood in Kedarnath town. Ensuing rain cut the massive devastation down stream in Kashi, Rudraprayag, Chamoli, Gaurikund etc.**

**The damn breached, releasing massive flood waters, causing enormous destruction in Kedarnath valley.**

### **June 19: PEOPLE STRUGGLING WITH THE MISERABLE TIME**

**After 3 days the army was battling against time, to rescue people, there was an utter chaos in the administration.**

**How were some people wept on seeing food during the trek they sucked their wet clothes as water was everywhere but not a drop to drink. That time was so helpless, child chewed grasses when he could not withstand hunger pangs.**

**The land was strewn with crumbled tin sheets and broken pieces of woods. 2052 houses have been wiped out, 147 bridges have collapsed and 130 roads destroyed.**

**When floods are unexpected the loses were still greater for then the people are taken unaware. When floods are expected, precautionary measures can be taken to save men, animals and property.**

**The floods are not only natural, they are also man made.**

**Cutting of trees, destruction of forests for fuel and timber should be immediately banned. The over exploitation of natural beauty occurs by deforestation, desertification, ozone depletion, forced migration, greenhouse gas increment and what not.**

**The mountain was never so fragile, heavy machines plying every day on.**

**kuchha roads have weakened it. Contractors from urban areas and out of valley do not understand the mountain. They dig it open, which causes landslides.**

**The deluge was the result of damn at Srinagar. Its floodgates were opened without warning. The water carried all the debris at the damn site and brought it down,**

***“What else does one expect from the mountain if there is heavy tourists rush at vulnerable areas. The Himalaya is a young mountain***



*and dynamiting these mountains to build roads-Landslides are bound to happen!!!”*

*Till when will we play with nature?*

Shreyan, 12<sup>th</sup> A

## **MOBILE LIBRARIES: A BOON TO STUDENTS**

Mobile technology is developed for communication purpose. Since the past 7 years mobile phones have changed the way that we live and work. Mobile phones have gained importance in both the developed and developing countries. Mobile phones are gaining more popularity among the youth. Engineering students are very interested in learning and using these technologies. They are accessing whatever information they required through mobile phones. Most of them are using to internet to check their e mails and all are attracting towards social networking sites and e resources through mobile web. Mobile phones are easy to carry and flexible this makes the students can use for quick reference and conducting an extensive research.

Mobile technology has now come up with “Libraries in hand” trend. Our librarians are in move to determine these devices are affecting information access and ensure that they are communicating with patrons and providing web content in the most appropriate and effective ways. Our librarians must be prepared to take this challenge to increase the market and demand for mobile access to personalized facts and information anytime, anywhere on ones one’s own handheld device. Since mobile handled devices are truly personal devices, search histories and physical locations can be harnessed to produce more accurate, individualized information and services. Users are don’t want to wait for list of web results,

libraries today are covering most of the technologies given by mobile industry like PDAs, Blackberry, iPod, cell phones, UM PCs(Ultra Mobile PC) and mobilizing library contents in a portable from suitable for small screen and delivering short services in the form of contents/information which devices multiple searching features. Librarians will need to become proficient in using these devices to enable users to access them anywhere from anyplace.

As the information revolution continues to unfold, Libraries will experiment with mobile devices and services to support the information needs of their users wherever they maybe. The adoption of mobile technology alerts the traditional the relationships between libraries and their users and devices and introduces novel challenges to reader privacy. At the same time the proliferation of mobile devices and services raises to issues of access to information to the digital age, including content ownership and licensing, digital rights management, and accessibility. Mobile devices today can run increasingly complex software, interact with cloud services, play rich multimedia content, and allow for advanced user interactivity. New hardware and technologies such as Bluetooth, accelerometers, and multi touch screens, as well as text messaging, smart phone software applications, mobile websites, global positioning systems (GPS), wi-fi, and media creation and capture tools, are all part of the mobile environment. Many of today's mobile devices are increasingly "always on", that is, by default meant to be connected to a wireless network.

Angel Soni, 11<sup>th</sup> E

## **ARTICLE**

### **IMPACT OF LOCKDOWN ON TEENAGER**

The restrictions of the pandemic have been felt across the board for teenagers, restrictions have meant month of virtual learning, more time isolated from friends, and the cancelling of important social activities like sports, school performances, graduations and proms.

The COVID-19 lockdown upturned the lives of teenagers at a time when they are usually becoming more independent and taking steps towards their future. Instead, they were confined to their homes, exams were cancelled and their next steps looked suddenly less certain.

Our findings show that lockdown was an intense, challenging experience, raising feeling of loss and fear about the future. however, participants also described considerable efforts to adapt, actively working to counter the negative personal impact of the lockdown and trying to think positively.

Mental health of the students is the topic of interest throughout the world the entire performance of the student depends on his mental health.till date there is no proven treatment to manage the novel corona virus disease as the rate of spread is increasing day by day, lockdown is the only option available to slowdown the rate of spreading the infection .The examinations were postponed due to the lockdown effect and the actual date of exam is awaited.the author would like to urge each education institutions to think of

starting a mental health cell for the benefit of the students in general.

Ankita poswal, 11<sup>th</sup> E

## **DELHI'S DILEMMA – TO BREATHE OR NOT TO BREATHE**

The dawns of November days have been too dark to see anything. The untimely setting of such dense fog is not attributable to the early arrival of winters but is the cloud of toxicity floating over Delhi.

Delhi has toxicity coursing through its veins. The saddening visuals of toxic foam floating over Yamuna (a river regarded as 'Mata' or mother), the faint silhouette of India Gate through heavy smog, the desperation of Delhiites to breathe clean and live better are all factors clearly showing that Delhi needs urgent help.

To combat pollution, one may think of two aspects – govt's role and people's role. Unarguably, the role of people will forever remain major as they are numerically dominant. But what needs attention is that the people of Delhi have to be sensitized and counselled to enable them to bring change in the national capital's atmosphere. It is astonishing that despite the tireless efforts of the Delhi government, Delhi finds itself in the midst of garbage. Litter is forever found on roadsides, slums continue to be centers of disease and infections, the air quality continues to degrade and the water supply is often contaminated.

These problems have come into existence risen because of multiple factors like lack of awareness, lack of proper garbage disposal

facilities, lenient laws, ignorance on people's and govt's part, failure of treatment of industrial sewage system, receding ground water levels etc.

In order to combat the environmental issues at the earliest, we need to bring the following in practice:

1. Sensitization of commoners
2. Segregation of garbage at domestic level
3. Strict laws and punishments for violators
4. Focus on treatment of industrial sewage
5. Channelizing rainwater to ground, so as to increase ground water levels.

While many other habits can be cultivated to ensure a better environment, we first need to work on the above listed factors as a stepping stone. It is high time that Delhiites come together, hand in hand, to bring massive change for the betterment of our future generations.

Hoping that a better future awaits our nation,

**Jai Hind!**

**Deepali Jani, 11th E**

धन्यवाद

केन्द्रीय विद्यालय  
सेक्टर-8

राम कृष्ण फुम  
नई दिल्ली-110022

SAVE OUR EARTH WITH OUR HANDS





सत्यमेव जयते  
केन्द्रीय विद्यालय संगठन